मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, शनिवार, 08 अगस्त 2026

संवत 2083, श्रावण कृष्ण 10 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 325 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 देश को आत्मनिर्भर बनाने वाली घोषणाओं का गवाह बनता लालकिला

1 लाख रुपये लेने के दावे पर भड़की उर्फी जावेद 6

जेपीएससी- जेएसएससी आंदोलन 15वें दिन भी जारी

छात्रों से सरकार की दूसरी बातचीत खत्म नहीं बनी सहमति, जारी रहेगा आंदोलन

- स्टूडेंट के सुझाव के लिए ई-मेल, फीडबैक नंबर जारी
- 10 को विधानसभा घेराव

संवाददाता

रांचीः जेपीएससी - जेएसएससी परीक्षाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर आंदोलनरत छात्रों के प्रतिनिधिमंडल और सरकार की कमेटी के बीच शनिवार को रांची स्थित स्टेट गेस्ट हाउस में चल रही वार्ता खत्म हो गयी है। वार्ता में छात्रों की विभिन्न मांगों और परीक्षा से जुड़े विवादों पर चर्चा की जा रही है। इससे पहले सरकार के प्रतिनिधि ने शुक्रवार की रात भी दूसरे गुट के छात्रों के साथ वार्ता की थी। वार्ता खत्म होने के बाद बाहर निकले मंत्री सुदिव्य सोनू ने बताया कि एनएसयूआई,एसीएस और जेसीएम छात्र संगठन के प्रतिनिधि मौजूद थे और भी बाकी छात्रों के साथ बैठक होगी और राय लिया जायेगा। सरकार द्वारा मेल आईडी जारी किया गया है, जिसपर स्टाकहोल्डर, छात्र और अन्य कोई भी अपनी फीडबैक भेज सकते हैं। छात्रों ने बताया कि अपनी बात को सरकार के समक्ष रख दी गयी है, लेकिन फिल्हाल जारी रहेगा आंदोलन। वार्ता में छात्रों की बात सुनी गयी उनकी मांगों को सुना गया है और उसपर विस्तार से चर्चा की जायेगी। आगामी दिनों में और भी बैठक होगी। फिलहाल आंदोलन जारी है, अनशन भी जारी रहेगा।

बैठक से पहले आंदोलनरत छात्रों की ओर से स्पष्ट किया गया था कि बातचीत में किसी राजनीतिक दल के झंडे या पहचान चिह्न का इस्तेमाल नहीं किया जाए। छात्रों का कहना था कि यह आंदोलन छात्र हितों से जुड़ा है और इसे राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। हालांकि बैठक स्थल पर कांग्रेस का झंडा नजर आने और युवा कांग्रेस और एनएसयूआई नेताओं की मौजूदगी को लेकर सवाल है।

इससे पहले मौके पर मौजूद रांची महानगर युवा कांग्रेस अध्यक्ष गौरव सिंह ने सरकार की पहल का स्वागत किया। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को छात्रों से बातचीत की पहल के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि सरकार ने उन छात्र संगठनों और प्रतिनिधियों को बातचीत के लिए बुलाया है, जिन्होंने लंबे समय से नीट, जेपीएससी और जेएसएससी से जुड़े मुद्दों को उठाया है।

जब उनसे पूछा गया कि जेपीएससी- जेएसएससी के मुद्दों को एबीवीपी, बीजेवाईएम, आजसू समेत अन्य संगठन भी उठाते रहे हैं, तो गौरव सिंह ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने विपक्ष की राजनीति को लेकर कई आरोप लगाए और कहा कि यह लड़ाई किसी संगठन के क्रेडिट की नहीं, बल्कि छात्रों के अधिकार की है।

गौरव सिंह ने जेपीएससी की पुरानी परीक्षाओं का जिक्र करते हुए विपक्षी नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि जेपीएससी की पहली और दूसरी परीक्षा के दौरान पैसों के बंटवारे को लेकर विवाद हुआ था।

उन्होंने नीट विवाद का भी जिक्र किया और भाजपा व एबीवीपी पर दोहरे रवैये का आरोप लगाया। उनका दावा था कि नीट से जुड़े विवाद के दौरान लंबे समय तक छात्रों का आंदोलन चला, लेकिन भाजपा के नेता उस समय छात्रों के समर्थन में सड़क या जंतर-मंतर पर नजर नहीं आए।

के आंदोलन का उद्देश्य किसी राजनीतिक दल को श्रेय दिलाना नहीं, बल्कि उनकी समस्याओं का समाधान कराना है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस की पहल के बाद छात्रों का प्रतिनिधिमंडल सरकार के मंत्रियों से बातचीत कर रहा है। फिलहाल स्टेट गेस्ट हाउस में सरकार की कमेटी और छात्र प्रतिनिधिमंडल के बीच वार्ता जारी है। बैठक में जेपीएससी-जेएसएससी से जुड़े मुद्दों पर क्या निर्णय सामने आता है, इसपर छात्रों और राज्य के युवाओं की नजर बनी हुई है।

गैंगस्टर प्रिंस खान का गुर्गा अंकित पांडेय पुलिस मुठभेड़ में घायल, पैर में लगी गोली

- हजारीबाग के 13 माइल गोलीकांड का है आरोपी

मेट्रो रेज

हजारीबागः बड़कागांव थाना क्षेत्र के ग्राम पिपरा डीह स्थित बंद पड़े गैस प्लांट के पास गैंगस्टर प्रिंस खान के कथित गुर्गे अंकित कुमार पांडेय ने बड़कागांव पुलिस को धक्का देकर भागने के क्रम में पुलिस पर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में बड़कागांव पुलिस ने भाग रहे अंकित कुमार पांडेय के पैर में गोली चलाई। जिससे वह गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। यह घटना शुक्रवार देर रात की है। उक्त घटना की पुष्टी थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने की । घायल अभियुक्त अंकित कुमार पांडेय को बड़कागांव अस्पताल में प्राथमिक इलाज कर बेहतर इलाज के लिए उसे हजारीबाग रेफर कर दिया गया। पुलिस पूछताछ में प्रिंस खान गिरोह से जुड़ाव का खुलासाः थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि 25 जुलाई को 13 माइल के पास ट्रांसपोर्ट रोड में दो हाईवा गाड़ी पर गैंगस्टर प्रिंस खान के गुर्गों द्वारा गोली कांड किया गया था, जिस संबंध में बड़कागांव थाना कांड संख्या-133/26 दर्ज किया गया था। इस कांड में संदिग्ध पिपराडीह निवासी अरुण कुमार पांडेय के पुत्र अंकित कुमार पांडेय को पूछताछ के लिए बड़कागांव थाना लाया गया, पूछताछ के क्रम में उसके मोबाइल फोन का जांच किया गया तो, पाया गया कि उसके द्वारा अपने मोबाइल फोन के टेली ग्राम एप के माध्यम से गैंगस्टर प्रिंस खान एवं प्रिंस खान गिरोह (केएसएस ।) के सदस्यों के साथ चैट किया गया है। अग्रतर पूछताछ के क्रम में उनके द्वारा अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि गैंगस्टर प्रिंस खान के निदेशानुसार बड़कागांव थाना क्षेत्र के 13 माइल स्थित ट्रांसपोर्ट रोड में दिनांक 25 जुलाई को रात्रि में अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर गोली बारी की घटना को अंजाम दिया गया था। एवं प्रिंस खान (के एस एस) संगठन के नाम से पर्चा छोड़ने का काम किया गया था। साथ ही इनके द्वारा अपने अपराध स्वीकारोक्ति बयान में बताए कि पिपराडीह गांव के नजदीक स्थित बन्द पड़े गैस प्लांट में घटना कारित हथियार एवं बम को छुपाकर रखे हैं, साथ चलने पर बरामद करा सकते है।

पुलिस को धक्का देकर भागने क्रम में अपराधी ने पुलिस पर की फायरिंगः थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने यह भी बताया कि अभियुक्त के निशानदेही पर शुक्रवार की देर रात ग्राम पिपराडीह के नजदीक स्थित बन्द पड़े गैस प्लांट के पास हथियार एवं बम के बरामदगी के दौरान अभियुक्त अंकित पाण्डेय द्वारा पुलिस बल के जवान को अचानक धक्का देते बरामद पिस्तौल से पुलिस बल की और लक्षित करते हुए फायर कर दिया गया और भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस द्वारा अपना बचाव करते हुए आत्मरक्षार्थ फायर किया गया। जिसमें अभियुक्त अंकित कुमार पांडेय के पैर में गोली लग गई, तत्पश्चात वो वहीं गिर गया, जिसे पुलिस बल के द्वारा पकड़ लिया गया और ईलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बड़कागांव भेजा गया, जिसे वंहा

एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर के पक्ष में नहीं केंद्र सरकार, सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया हलफनामा

नई दिल्लीः केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा है कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के आरक्षण में क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू नहीं होता। सरकार ने उन जनहित याचिकाओं का विरोध किया है, जिनमें एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने और सरकारी नौकरियों में अधिक न्यायसंगत आरक्षण नीति बनाने की मांग की गई है। केंद्र ने कहा कि याचिकाओं में संविधान के तहत किसी मौलिक अधिकार के उल्लंघन का जिक्र नहीं है। साथ ही, मौजूदा कानून में कहीं भी यह प्रावधान नहीं है कि क्रीमी लेयर का नियम एससी-एसटी पर लागू होता है। सरकार के मुताबिक, यह अवधारणा सिर्फ ओबीसी और एसईबीसी आरक्षण से जुड़ी है।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 11 अगस्त को रमाशंकर प्रजापति और अन्य की जनहित याचिकाओं पर केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया था। याचिका में कहा गया है कि अगर किसी एससी-एसटी परिवार का सदस्य पहले ही संवैधानिक या वरिष्ठ सरकारी पद हासिल कर चुका है, तो उसके बच्चों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। इससे आरक्षण का फायदा आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद लोगों तक ज्यादा समान रूप से पहुंच सकेगा। याचिकाकर्ताओं ने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को उप-श्रेणी (सब-कैटेगरी) बनाकर उन्हें प्रवेश और सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता देने की भी मांग की है। सिर्फ संसद को सूची में बदलाव का अधिकारः सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने कहा कि एससी और एसटी की सूची में किसी भी तरह का बदलाव केवल संसद ही कर सकती है। संविधान के अनुच्छेद 341 और 342 के तहत किसी जाति या जनजाति को सूची में शामिल करने या हटाने का अधिकार सिर्फ संसद के पास है।

पीओके में प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई को लेकर यूएन सख्त, पाकिस्तान को चेतावनी-

शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार दें, तय हो जवाबदेही

एजेंसी

न्यूयॉर्क/इस्लामाबाद : पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित कठोर कार्रवाई को लेकर संयुक्त राष्ट्र (सहमति) ने चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र ने पाकिस्तान के अधिकारियों से शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार का सम्मान करने और प्रदर्शनकारियों को नुकसान पहुंचने की स्थिति में जवाबदेही तय करने की मांग की है।

यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के डिप्टी प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि सभी अधिकारियों के लिए यह जरूरी है कि वे लोगों को शांतिपूर्ण

प्रदर्शन करने की अनुमति दें। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को शांतिपूर्ण प्रदर्शन में हिस्सा लेने के कारण नुकसान पहुंचा है तो उसकी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। फरहान हक से जब पूछा गया कि क्या संयुक्त राष्ट्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित कार्रवाई के लिए जवाबदेही तय करेगा, तो उन्होंने कहा कि अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि लोगों को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के अपने अधिकार का इस्तेमाल करने दिया जाए। उन्होंने कहा कि महासचिव एंटोनियो गुटेरेस संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क के काम का समर्थन करते हैं और उम्मीद करते हैं कि उनकी अपीलों को गंभीरता से लिया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने हाल ही में पीओके में बढ़ती अशांति और प्रदर्शनकारियों की मौतों पर गहरी चिंता जताई थी। उन्होंने पाकिस्तान द्वारा जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) पर लगाए गए प्रतिबंध और उसके नेताओं की गिरफ्तारी की निष्पक्ष एवं गहन जांच की मांग की थी। यूएन के मुताबिक, आगामी विधानसभा चुनावों से पहले जून से जारी तनाव के दौरान कई प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों की जान जा चुकी है। मानवाधिकार प्रमुख ने सभी पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए पाकिस्तानी अधिकारियों से सार्थक और समावेशी राजनीतिक संवाद के जरिए स्थानीय लोगों की मूल समस्याओं का समाधान करने को कहा है। संयुक्त राष्ट्र ने सार्वजनिक सभाओं और नागरिक अधिकारों पर लगाई जा रही पाबंदियों को लेकर भी चिंता जताई है। यूएन का कहना है कि इस तरह के प्रतिबंध अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कमजोर करते हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट के अनुरोध पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

कोयला घोटाला मामलों की सुनवाई से हटाए गए 2 जज

एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली में कोयला घोटाले से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए नियुक्त विशेष न्यायाधीश सुनैना शर्मा को पद संभालने के करीब छह महीने बाद ही हटा दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के अनुरोध पर सुनैना शर्मा और विशेष सीबीआई न्यायाधीश धीरज मोर को कोयला घोटाला मामलों की विशेष अदालत से हटाने की अनुमति दे दी है। दोनों न्यायिक अधिकारियों को अब दूसरी जिम्मेदारियां दिए जाने की बात कही गई है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाला बागची तथा वी। मोहना की पीठ ने अपने आदेश में कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट ने विशेष न्यायाधीश सुनैना शर्मा और धीरज मोर के तबादले का अनुरोध किया था, ताकि उनकी सेवाओं का अन्य जिम्मेदारियों में इस्तेमाल किया जा सके।

सुप्रीम कोर्ट को दिल्ली हाई कोर्ट

के रजिस्ट्रार जनरल की ओर से एक पत्र मिला था। इसमें दोनों न्यायिक अधिकारियों को उत्कृष्ट योग्यता वाला बताते हुए कहा गया था कि हाई कोर्ट उनकी सेवाओं का इस्तेमाल अन्य जिम्मेदारियों के लिए करना चाहता है।

सुनैना शर्मा ने इसी साल जनवरी में विशेष कोयला घोटाला अदालत के न्यायाधीश के रूप में पदभार संभाला था। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने तत्कालीन पीठासीन न्यायाधीश संजय बंसल को पद से कार्यमुक्त करने के हाई कोर्ट के अनुरोध को मंजूरी दी थी। बंसल करीब साढ़े चार साल तक विशेष कोयला घोटाला अदालत की अध्यक्षता कर चुके थे। वहीं, धीरज मोर को अप्रैल 2025 में विशेष न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। इस तरह शर्मा को पद संभाले करीब छह महीने ही हुए थे, जबकि मोर ने एक साल से कुछ अधिक समय ही पूरा किया था।

दिल्ली हाई कोर्ट के अनुरोध को मंजूरी देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दोनों जजों को सीबीआई कोयला घोटाला मामलों के विशेष न्यायाधीश के पद से हटाने की अनुमति दी। साथ ही, उनकी जगह दो नए न्यायाधीशों की नियुक्ति को भी मंजूरी दी गई।

वीरेंद्र कुमार खर्ता, जो पहले साकेत में एनडीपीएस अदालत के विशेष न्यायाधीश थे, अब सुनैना शर्मा की जगह कार्यभार संभालेंगे। वहीं, अजय गर्ग, जो पहले तीस हजारी स्थित फास्ट-ट्रैक कोर्ट में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश थे, धीरज मोर की जगह नियुक्त किए गए हैं।

शुक्रवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने दोनों न्यायाधीशों के तबादले और नई पोस्टिंग से जुड़े आदेश जारी किए। हालांकि, खास बात यह है कि सुनैना शर्मा और धीरज मोर को फिलहाल कोई नई न्यायिक पोस्टिंग नहीं दी गई है। अधिसूचना के मुताबिक, दोनों को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश और सीबीआई सत्र न्यायाधीश के कार्यालय से अटैच किया गया है। हाई कोर्ट ने दोनों अधिकारियों को निर्देश दिया है कि पदभार छोड़ने से पहले वे उन सभी मामलों की जानकारी दें, जिनमें फैसले या आदेश सुरक्षित रखे गए हैं। तबादले के बावजूद उन्हें तय तारीख पर या अधिकतम दो से तीन सप्ताह के भीतर इन मामलों में फैसले सुनाने होंगे। फैसले सुनाने की तारीखें पुरानी और नई दोनों अदालतों की कॉज लिस्ट के साथ-साथ अदालत की वेबसाइट पर भी प्रदर्शित की जाएंगी। पिछले साल के आंकड़ों के मुताबिक, कोयला घोटाले से संबंधित दो विशेष अदालतों में सीबीआई भ्रष्टाचार के 29 मामले लंबित थे। वहीं, 27 से अधिक मामलों का निपटारा पहले ही किया जा चुका था।

आईआईटी दिल्ली में बोले मोदी

नई राह की चुनौतियां ही बनती हैं नए अवसरों की सीढ़ी

एजेंसी

दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आईआईटी दिल्ली के सोनीपत कैंपस में बनाई गई एआई पावर्ड हाई-परफॉर्मेंस सुपरकंप्यूटिंग फैसिलिटी परम प्रज्ञा का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा हर पीढ़ी का अपना एक राष्ट्रीय दायित्व भी होता है। हमारे देश ने गुलामी का वो समय भी देखा है जब उस पीढ़ी के सामने केवल एक ही लक्ष्य था, भारत की आजादी। उसके लिए उन्होंने लंबा संघर्ष किया। हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं, इसके पीछे उस पीढ़ी का त्याग हैआज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं, इसके पीछे उस पीढ़ी का तप, त्याग और बलिदान है। आज के इस दौर में हमारे सामने चुनौतियां भी अलग हैं, इसलिए हमारे दायित्व भी अलग हैं। अपने जीवन के अगले 30-35 साल में आप जो कुछ भी

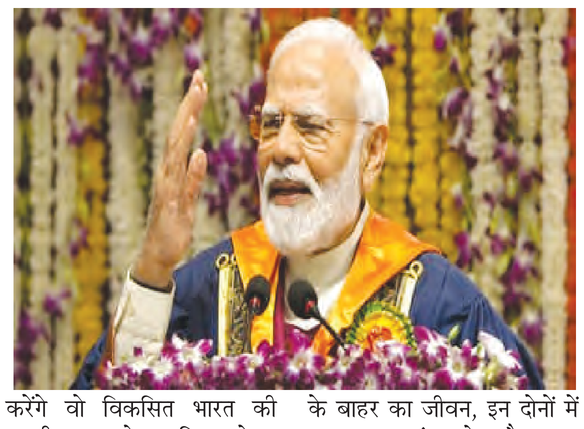

करेंगे वो विकसित भारत की हमारी यात्रा को प्रभावित करेगा। इसलिए आपके हर निर्णय का आधार ये भी होना चाहिए कि इससे देश को क्या फायदा पहुंचेगा, इससे देश की कौन सी जरूरत पूरी होगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक शक्तियों का संतुलन हर पल बदल रहा है और इसके पीछे सबसे बड़ी ताकत प्रौद्योगिकी की तेज रफ्तार है। जिंदगी की परीक्षा में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस होता हैः पीएम मोदी ने कहा कैंपस का जीवन और कैंपस के बाहर का जीवन, इन दोनों में बहुत बड़ा अंतर होता है। कक्षा की परीक्षा में सिलेबस होता है लेकिन जिंदगी की परीक्षा में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस होता है।।। जिंदगी कुछ अलग तरह से चलती है। वहां न कोई तय कोर्स होता है न कोई प्रश्न पत्र होता है। कई बार तो ये भी कोई नहीं बताता कि असली सवाल क्या था। वो सवाल भी आपको खुद पहचानना पड़ता है। मोदी ने होनहार छात्रों को दिया गोल्ड मेडल : इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी

न्यूज IN ब्रीफ

किराना दुकान से 30 हजार नकद की चोरी

चतरा : शहर में लगातार बढ़ रही चोरी और छिनतई की घटनाओं से आम लोगों में चिंता बढ़ गई है। पिछले कुछ दिनों से हर एक-दो दिन के अंतराल पर शहर के अलग-अलग इलाकों में चोरी व छिनतई की घटनाएं सामने आ रही हैं।

शुक्रवार की रात चूड़ीहार मुहल्ला स्थित दीभा स्कूल के समीप मनोरमा देवी (स्व पप्पू केशरी) के किराना दुकान में चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर घर के तीसरे तल्ले में लगे गेट के पास दीवार को तोड़कर व एल्बेस्टर को ऊपर कर घर में दाखिल हुए और दुकान के गले से लगभग 30 हजार नकद लेकर फरार हो गए।

शनिवार सुबह परिजनों के उठने पर दुकान का सामान बिखरा मिला। वहीं छत की दीवार में सेंधमारी के निशान भी पाए गए। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस पदाधिकारी दल बल के साथ वहां पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया।

पुलिस चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच में जुटी है। इस संबंध में सदर थाना प्रभारी अनिल उरांव ने कहा कि चोरों व छिनतई करने वालों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। बहुत जल्द ही उद्भेदन किया जायेगा।

रक्षाबंधन पर डाक विभाग की खास सौगात, स्पीड पोस्ट से राखी भेजने पर 10% की छूट

रांची: रक्षाबंधन पर डाक विभाग ने ग्राहकों के लिए एक शानदार सुविधा शुरू की है। स्पीड पोस्ट से भेजी जाने वाली राखियों पर 10% की विशेष छूट दी जा रही है। यह ऑफर निजी कूरियर कंपनियों को टक्कर देने के लिए लाया गया है।

रक्षाबंधन पर डाक विभाग ने ग्राहकों के लिए विशेष सुविधा शुरू की है। विभाग ने स्पीड पोस्ट सेवा के तहत भेजी जाने वाली राखी पर 10% की विशेष छूट देने की घोषणा की है। यह छूट केवल रिटेल ग्राहकों के लिए होगी और स्पीड पोस्ट के डाक शुल्क पर लागू होगी। डाक विभाग के अनुसार रक्षाबंधन के दौरान बड़ी संख्या में लोग डाकघरों के माध्यम से राखियां भेजते हैं।

रक्षाबंधन से 15 दिन पहले शुरू होगी ह्यराखी मेलह्ल छूट योजना निजी कूरियर कंपनियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखते हुए यह विशेष छूट योजना शुरू की गयी है। योजना के तहत ग्राहकों को लिफाफे के सामने स्पष्ट रूप से 'राखी मेल' लिखना होगा और उसे डाकघर के काउंटर पर बुक कराना होगा। डाक विभाग ने बताया कि योजना रक्षाबंधन से 15 दिन पहले लागू की जायेगी। इस योजना के तहत एक ग्राहक एक बार में अधिकतम पांच राखी युक्त स्पीड पोस्ट बुक करा सकेगा। यह सुविधा केवल डाकघर के काउंटर पर की गयी रिटेल बुकिंग के लिए उपलब्ध होगी।

कल होने वाली 9वीं राज्य सब जूनियर सेपक टकरा प्रतियोगिता की सभी तैयारियां पूरी

रांची: 9वीं राज्य सब जूनियर सेपक टकरा प्रतियोगिता का आयोजन 9 अगस्त 2026 को जिला स्कूल परिसर, रांची में किया जाएगा। प्रतियोगिता की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह जानकारी सेपक टकरा एसोसिएशन ऑफ झारखंड के अध्यक्ष उदय साहू ने दी।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में झारखंड के विभिन्न जिलों से सब जूनियर बालक एवं बालिका खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर) में आयोजित होने वाली सब जूनियर राष्ट्रीय सेपक टकरा प्रतियोगिता के लिए झारखंड टीम का चयन किया जाएगा। उदय साहू ने बताया कि प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए खिलाड़ियों के पंजीकरण, तकनीकी अधिकारियों की नियुक्ति,उपकरण एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य राज्य के उभरते खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना तथा उन्हें राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है।

एक किलो गांजा समेत 147 बोतल अवैध शराब जब्त

बोकारो: जिला के महुआटांड़ थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब और मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। फुटकाडीह गांव के एक होटल में छापेमारी के दौरान एक किलो गांजा और 147 बोतल अंग्रेजी शराब व बीयर बरामद हुई है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

बोकारो जिला के महुआटांड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत फुटकाडीह गांव में पुलिस ने अवैध शराब और मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए राहुल कुमार गुप्ता उर्फ कुंदन कुमार गुप्ता पिता बुटन साव के होटल में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने एक किलो गांजा के अलावा विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी अवैध शराब व बीयर की कुल 147 बोतलें बरामद की। साथ ही, बुटन साव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि फुटकाडीह निवासी राहुल कुमार गुप्ता उर्फ कुंदन कुमार गुप्ता के होटल में अवैध रूप से शराब और मादक पदार्थ की बिक्री की जा रही है।

प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस कर रही कार्रवाईः सूचना के आधार पर एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ बेरमो रवींद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में छापेमारी टीम गठित की गयी। टीम ने होटल में छापेमारी कर तलाशी ली, जहां से गांजा और भारी मात्रा में शराब बरामद हुई। बरामद शराब में कई प्रचलित ब्रांड शामिल हैं। पुलिस ने बरामद एक किलो गांजा और 147 बोतल शराब/बीयर को जब्त कर लिया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही थी। छापेमारी दल में एसडीपीओ रवींद्र कुमार सिंह, महुआटांड़ थाना प्रभारी कृष्ण कुमार कुशवाहा, पुलिस अवर निरीक्षक भगत शर्मा, सुशील कुमार समेत सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

आचार्यकुलम, रांची में अस्मिता वुशु लीग कल

रांचीः खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत आयोजित अस्मिता वुशु लीग की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रतियोगिता का आयोजन 9 अगस्त 2026 को आचार्यकुलम स्कूल, रांची में किया जाएगा। यह जानकारी झारखंड वुशु एसोसिएशन के महासचिव शैलेन्द्र नाथ दुबे ने दी।उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में रांची के विभिन्न प्रशिक्षण केंद्र से महिला वुशु खिलाड़ी भाग लेंगी। आयोजन के लिए प्रतियोगिता स्थल, तकनीकी व्यवस्था, खिलाड़ियों के पंजीकरण, रेफरी एवं जजों की नियुक्ति सहित सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। महासचिव श्री दुबे ने बताया कि अस्मिता भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की एक महत्वाकांक्षी पहल है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को खेलों से जोड़ना, उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक अवसर प्रदान करना तथा उनके लिए एक मजबूत आधार उपलब्ध कराना है।

77वें वन महोत्सव में शामिल हुए हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन, मुख्यमंत्री ने कहा

पेड़ लगाकर फ्री बिजली लेने वाला कोई नहीं

संवाददाता

रांची : खेलगांव के टाना भगत स्टेडियम में 77वें वन महोत्सव का उद्घाटना मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया। इस मौके पर गांडेय विधायक और मुख्यमंत्री की पत्नी कल्पना सोरेन भी मौजूद थी। दोनों ने इस मौके पर एक-एक पेड़ लगाया। पौधरोपण के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां उपस्थित सभी लोग अपने-अपने कैंपस में एक-एक पेड़ लगाईये और उसमें आज का दिन लिखिए कि वन महोत्सव के दिन पेड़ लगाया। मैं सत्ता में रहूं या रहूं पेड़ देखने जरूर आऊँगा। जिन लोगों को भ्रम है कि वे संभ्रांत हैं, उनके पास पैसा, गाड़ी, मोटर सब कुछ है। उनको कुछ नहीं हो सकता। ऐसा नहीं है। पर्यावरण से खिलवाड़ करने की कीमत हर व्यक्ति को चुकानी पड़ेगी। हमने शहर के लोगों के लिए कहा कि जो एक पेड़ लगाएगा, उसको पांच यूनिट बिजली फ्री देंगे। 100

पेड़ लगाओ, 1000 यूनिट बिजली फ्री ले लो। लेकिन कोई लेने को तैयार नहीं। चलिए देखिए कहां तक हम जाते हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को महसूस कर रही है। कभी अत्यधिक वर्षा, कभी सूखा, कभी भीषण गर्मी, कभी असामान्य ठंड, कहीं बादल फटना, कहीं भूस्खलन, ये सभी संकेत हैं कि प्रकृति हमें लगातार चेतावनी दे रही है। विकास आवश्यक है, लेकिन विकास और प्रकृति के बीच संतुलन भी उतना ही आवश्यक है। सड़कें बनें, उद्योग लगें, शहर बसें, पर जल, जंगल और जमीन की कीमत पर नहीं। जब हम जंगलों में अतिक्रमण करेंगे, तब वन्यजीव भी हमारे बीच आएंगे। आज हाथियों का गांव और शहरों की ओर आना इसी बदलते संतुलन का परिणाम है। झारखंड की पहचान उसके जंगलों, जैव विविधता और प्रकृति से है। इसलिए हमारी सरकार ने स्पष्ट निर्णय लिया है कि राज्य में ऐसे वृक्षों को ही प्राथमिकता दी जाएगी जो इंसान, पशु-पक्षी और पर्यावरण, तीनों के लिए उपयोगी हों। हमें केवल पेड़ लगाने नहीं, उन्हें संरक्षित भी करना है।

पुलिस को बड़ी कामयाबी

10 लाख के इनामी माओवादी सालुका कायम ने दो महिला माओवादियों संग किया सरेंडर

संवाददाता

रांची : कोल्हान क्षेत्र में माओवादी विरोधी अभियान के बीच एक महत्वपूर्ण सूचना सामने आई है। सूत्रों के अनुसार, दस लाख रुपये के इनामी माओवादी सालुका कायम उर्फ सालुका उर्फ डांगिल उर्फ मारू उर्फ भुवनेश्वर कायम ने दो महिला माओवादियों के साथ पश्चिमी सिंहभूम पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है।

दस लाख का इनामी घोषित था सालुका कायमः जानकारी के मुताबिक, सालुका कायम सोढो कायम का पुत्र है और पश्चिमी सिंहभूम जिले के सोनुवा थाना क्षेत्र अंतर्गत कुदाबुरू कायमसाई गांव का निवासी है। वह प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) की साउथ जोन सेंट्रल कमेटी से जुड़ा सक्रिय सदस्य बताया जाता है। पुलिस रिकॉर्ड में उस पर दस लाख रुपये का इनाम घोषित है।

मिसिर बसेरा का खास माना जाता है : सूत्रों का दावा है कि सालुका कायम लंबे समय से माओवादी संगठन में सक्रिय रहा है और शीर्ष माओवादी नेता मिसिर बेसरा का करीबी सहयोगी माना जाता रहा है। हाल के महीनों में सुरक्षा बलों द्वारा चलाए जा रहे लगातार अभियानों, माओवादी नेटवर्क पर बढ़ते दबाव और शीर्ष नेताओं की गिरफ्तारी के बाद संगठन के कई सदस्यों के आत्मसमर्पण की घटनाएं सामने आई हैं। बताया जा रहा है कि इसी क्रम में सालुका कायम ने भी दो महिला माओवादियों के साथ आत्मसमर्पण किया है। इसे कोल्हान क्षेत्र में माओवादी विरोधी अभियान की बड़ी सफलता माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में रांची में 14 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया था। वहीं, सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल क्षेत्र में सक्रिय रहे रवि सरदार समेत तीन माओवादियों की गिरफ्तारी भी सुरक्षा एजेंसियों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है। इन घटनाओं के बाद माओवादी संगठन पर लगातार दबाव बढ़ता नजर आ रहा है।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में नशामुक्त अभियान

संवाददाता

लातेहार : शहर के पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रार्थना सभा में शनिवार को प्रजापिता ईश्वरीय विश्वविद्यालय, धर्मपुर (गिजनियाटांड़) की शाखा के तत्वावधान में छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ दिलाई।

शाखा की संचालिका बीके अमरमणी ने कहा कि प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ने पूरे देश में 10 करोड़ लोगों को नशा मुक्ति का शपथ दिलाने का एक अभियान चलाया है, उसी के तहत विद्यालय में यह कार्यक्रम उन्होंने छात्रो को अपनी उर्जा सकारात्मक दिशा में लगाने व मन लगा कर पढ़ाई करने की बात कही। उन्होंने कहा कि आज बच्चो में मोबाइल का नशा भी सिर चढ़ कर बोल रहा है। बच्चों को मोबाइल से दूर रहना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि राजयोग नशा से मुक्ति पाने का एक प्रभावकारी माध्यम है। मौके पर विद्यालय की प्राचार्य रामायण पासवान समेंत विद्यालय के कई शिक्षक व शिक्षिकाओं के अलावा बीके चंद्रेश, राजू, प्रीति व सोनम आदि मौजूद थीं। बीके अमरमणी ने प्राचार्य श्री पासवान को संकल्प पत्र भेंट किया।

रामगढ़ धूमधाम से मनाया गया 12वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस, उत्कृष्ट बुनकर सम्मानित

संवाददाता

रामगढ़ : 12वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर झारक्राफ्ट के क्षेत्रीय कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका आयोजन वरीय कलेक्टर प्रबंधक राजीव साहू के नेतृत्व में किया गया।

इस दौरान मुख्य अतिथि रेखा कुमारी प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक जेएसएलपीएस रामगढ़ सदर व विशिष्ट अतिथि अंजन बारा जिले को ऑर्डिनेटर मुख्यमंत्री लघु उद्योग विकास बोर्ड व विभिन्न प्रखंड से आए बुनकर समिति व समूह के अध्यक्ष, सचिव, सदस्य आदि लोग उपस्थित हुए।

कार्यक्रम में बुनकरों को सम्मान व उत्साह बढ़ाने के लिए विगत वर्ष में समय पर बंडी व सॉल का कार्य पूरा करने वाले समितियां व समूह को मोमेंटो देखकर सम्मानित किया गया.अतिथि श्री भारत ने बताया कि आज पूरे देश

में बुनकरों के सम्मान व उत्साह बढ़ाने हेतु बुनकर दिवस धूमधाम से मनाया जा रहा है।

इसका मुख्य उद्देश्य घरेलू उत्पाद को बढ़ाना है। श्री साहू द्वारा झारक्राफ्ट में चल रहे योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस मौके पर बुनकरों के विभिन्न समिति व समूह द्वारा हाथों से बने कपड़ों का प्रदर्शन किया गया व जिसमें रहीम टेक्सटाइल बुनकर समिति, श्रुति बुनकर व अन्य समिति- समूह शामिल हुए।

कार्यक्रम को सफल बनाने में अत्ताउल्लाह अंसारी, मोहम्मद इस्लाम, मोहम्मद फिरोज ,मोहम्मद जाकिर, मोहम्मद रहीम अंसारी, मोहम्मद साबुद्दीन अंसारी, रंजीत प्रसाद, महानंदा नायक आदि लोगों का सराहनीय योगदान रहा।

एटीआर रिपोर्ट पेश : 850 केंद्रों पर 49.25 लाख क्विंटल खरीदी गई धान

रांचीः झारखंड सरकार ने विधानसभा में 18 फरवरी से 18 मार्च 2026 की अवधि की एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) पेश करते हुए भर्ती, किसानों, ग्रामीण विकास, पेयजल और भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों में हुई कार्रवाई का ब्योरा दिया। सरकार ने दावा किया कि जेपीएससी और जेएसएससी के माध्यम से अब तक 43 हजार से अधिक नियुक्तियों की अनुशंसा की जा चुकी है, जबकि 22 हजार से ज्यादा पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। रिपोर्ट में किसानों को एमएसपी के साथ बोनस, ग्रामीण सड़कों के टेंडर, नए चापाकलों की योजना और पुराने भ्रष्टाचार मामलों में हुई कार्रवाई का भी विवरण दिया गया है।

वर्ष 2023-24 में स्वीकृत 43,510 चापाकलों में से 37,896 का अधिष्ठापन पूरा हो चुका है। वहीं, वित्तीय वर्ष 2026-27 में राज्य के 263 प्रखंडों में 7,890 नए चापाकल लगाने का प्रस्ताव राज्य योजना प्राधिकृत समिति को भेजा गया है।

एटीआर के मुताबिक, वर्ष 2020 से अब तक जेपीएससी ने 3,377 पदों पर नियुक्ति की अनुशंसा की है। वर्तमान में 798 पदों के लिए विज्ञापन जारी हैं, जबकि 847 पदों पर विज्ञापन प्रकाशित करने की प्रक्रिया चल रही है। वहीं, वर्ष 2019 से अब तक जेएसएससी ने 39,687 पदों पर नियुक्तियों की अनुशंसा की है। फिलहाल 20,206 पदों के लिए विज्ञापन प्रकाशित हैं और 1,759 पदों के लिए विज्ञापन निकालने की तैयारी चल रही है।

किसानों को एमएसपी के साथ बोनस भी दिया गयाः सरकार ने बताया कि खरीफ विपणन मौसम में सामान्य धान पर 2,369 रुपए प्रति क्विंटल एमएसपी के साथ 81 रुपए बोनस दिया जा रहा है। यानी किसानों को कुल 2,450 रुपए प्रति क्विंटल का भुगतान किया जा रहा है। 31 मार्च 2026 तक राज्य के 850 धान क्रय केंद्रों के माध्यम से 49,25,005 क्विंटल से अधिक धान की खरीद की जा चुकी है।

भ्रष्टाचार के पुराने मामलों में कार्रवाईः एटीआर में बताया गया कि तत्कालीन झारखंड राज्य विद्युत बोर्ड (जेएसईबी) के पांच अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की गई। तत्कालीन मुख्य अभियंता (उत्पादन) डी.एन. राम के निधन के कारण उनके विरुद्ध कार्रवाई समाप्त कर दी गई। बी.के. चौधरी की पेंशन कटौती से जुड़ी अपील पर कार्रवाई जारी है, गोपीनाथ सिंह मुंडा के मामले में अंतिम निर्णय लंबित है, जबकि प्रवीण कुमार और प्रमोद कुमार को समीक्षा के बाद आरोपमुक्त कर दिया गया है। न्यायिक प्रक्रिया में लापरवाही के आरोप में छह अन्य अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई जारी है।

बोकारो में बारिश का कहर, तालाब बनी सड़क, ड्रेनेज जाम होने पर भड़के लोग

जल निकासी के दावों की खुली पोल

संवाददाता

बोकारो : शहर और आसपास के इलाकों में लगातार हो रही बारिश ने नगर निगम और प्रशासन के जल निकासी (ड्रैनेज) के दावों की पोल खोलकर रख दी है। बारिश के कारण शहर के कई प्रमुख इलाकों, बाजारों और सड़कों पर जलजमाव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है।

सेक्टर-4 मोड़ बना तालाबः सबसे खराब स्थिति सिटी सेंटर सेक्टर-4 स्थित उे गेट-12 मोड़ की है, जहां सड़क तालाब में तब्दील हो चुकी है। इसके अलावा बारिश के कारण गर्ग नदी का जलस्तर भी काफी बढ़ गया है, जिससे तटीय व निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंताएं बढ़

गई हैं।

घुटने भर पानी से गुजरने को मजबूर राहगीर और छात्रः शहर के मुख्य बाजारों और आवासीय मोहल्लों में पानी भर जाने से आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। जलभराव की वजह से रोजमर्रा के काम से निकलने वाले राहगीरों, कोचिंग और स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों और स्थानीय दुकानदारों को भारी फजीहत झेलनी पड़ रही है। सड़कों पर बंद हो रहे वाहनः दोपहिया और चारपहिया वाहन चालक पानी के बीच बंद हो रहे वाहनों से परेशान दिखे। स्थानीय लोगों का कहना है कि हल्की बारिश में भी सेक्टर-4 मोड़ पर पानी जमा हो जाता है, जिससे हर वक्त हादसे की आशंका बनी रहती है।

सफाई न होने से सड़कों पर भरा पानीः स्थानीय निवासियों का आरोप है कि शहर के कई इलाकों में नाले और ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह से जाम पड़े हैं। समय पर सफाई न होने के कारण बारिश का पानी सड़कों पर ही ठहर जाता है। नाराज नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि तुरंत नालों की सफाई कराई जाए और सीजेड गेट-12 मोड़ समेत अन्य संवेदनशील इलाकों में जल निकासी का स्थायी समाधान निकाला जाए।

एसडीओ कोर्ट ने 15 लोगों के खिलाफ कारण बताओ नोटिस किया जारी, 11 अगस्त को अगली सुनवाई

मेट्रो रेज

रांची: रांची के अनुमंडल दंडाधिकारी सदर ने पूजा कुमार बनाम संजय चतुर्वेदी से जुड़े मामले में सुनवाई करते रांची सिविल कोर्ट में प्रेक्टिस करने वाले और जिला बार एसोसिएशन से जुड़े 15 वकीलों को एक बार फिर नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने सभी पक्षकारों को 11 अगस्त 2026 को स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने की सख्त हिदायत दी है। 21 जुलाई 2026 को लिखित आवेदन के आधार पर इस मामले की सुनवाई शुरू की गई है। इसके बाद अदालत ने नोटिस जारी कर द्वितीय पक्ष यानी सिविल कोर्ट के वकीलों को 5 अगस्त 2026 को कोर्ट में उपस्थित होकर अपना कारण बताओ (शो-कॉज) दाखिल करने का निर्देश दिया था।

11 अगस्त की सुनवाई में अनिवार्य उपस्थिति का निर्देशः हालांकि, निर्धारित तिथि पर द्वितीय पक्ष की ओर से कोई भी उपस्थित नहीं हुआ। जिसके बाद गैर हाजिरी को गंभीरता से लेते हुए अनुमंडल दंडाधिकारी सदर रांची के कार्यालय से 7 अगस्त को दुबारा नोटिस जारी किया गया। इस नोटिस में कहा गया है कि मामला संवेदनशील है और 11 अगस्त को होने वाली अगली सुनवाई में द्वितीय पक्ष अपनी उपस्थिति अनिवार्य रूप से दर्ज कराए। इस नोटिस की प्रति कोतवाली थाना प्रभारी को भी भेजी गई है। थाना प्रभारी को कड़ा निर्देश दिया गया है कि वे द्वितीय पक्ष के सभी 15 अधिवक्ताओं तक नोटिस पहुंचाएं और इसकी रिपोर्ट 11 अगस्त 2026 की सुनवाई से पहले अदालत में सौंपना सुनिश्चित करें।

इन वकीलों को जारी किया गया नोटिस

जिन वकीलों को नोटिस जारी किया गया है उसमें कुमार चतुर्वेदी, संजय कुमार विद्रोही, पवन रंजन खत्री, अमरेंद्र कुमार झा, कीर्ति सिंह उर्फ कीर्ति नारायण सिंह, कृष्णा सिंह, प्रमोद कुमार शर्मा, फर्दा उल रिमान, रितेश रोशन उपाध्याय, शंकर कुमार शर्मा, जगदीश प्रसाद साहू, शशि, एमडी अफरोज, समा परवीन और सहला तबस्सुम शामिल हैं। बता दें कि इससे पहले भी उक्त वकीलों को नोटिस जारी हुआ था जिसके बाद वकीलों ने आंदोलन शुरू करते हुए खुद को न्यायिक कार्य से दूर रखा लेकिन इस बीच फिर नोटिस जारी होने से एक बार फिर विवाद गहरा होने के आसार दिख रहे हैं।

पीएलएफआई से जुड़े शुभम पोद्दार को झारखंड हाईकोर्ट से मिली जमानत, 5 करोड़ रंगदारी मांगने का है आरोप

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड हाईकोर्ट ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई से जुड़े शुभम पोद्दार को बड़ी राहत देते हुए जमानत दे दी है। शुभम पोद्दार के खिलाफ खूंटी जिले के रनिया थाना क्षेत्र में एक व्यवसायी से कथित तौर पर 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का मामला दर्ज है। इस मामले में पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। जानकारी के अनुसार, रनिया थाना में 11 मार्च 2026 को शुभम पोद्दार के खिलाफ कांड संख्या 11/2026 दर्ज किया गया था। आरोप है कि उसने एक व्यवसायी से 5 करोड़ रुपये की रंगदारी की मांग की थी। रंगदारी नहीं देने पर व्यवसायी की हत्या करवाने की धमकी देने का भी आरोप शुभम पोद्दार पर लगाया गया है। मामले में गिरफ्तारी के बाद शुभम पोद्दार ने जमानत के लिए झारखंड हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। शुक्रवार को हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की अदालत में उसकी जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने शुभम पोद्दार को जमानत प्रदान कर दी। हाईकोर्ट ने 25-25 हजार रुपये के दो निजी मुचलके भरने की शर्त पर उसे बेल दी है। शुभम पोद्दार की ओर से अधिवक्ता अमन कुमार राहुल ने अदालत में पक्ष रखा। जिस मामले में शुभम पोद्दार को जमानत मिली है, वह रनिया थाना कांड संख्या 11/2026 से संबंधित है। पुलिस ने इस मामले में उस पर व्यवसायी से रंगदारी मांगने और धमकी देने के आरोप लगाए थे।

रांची सिविल कोर्ट के वकीलों की हड़ताल खत्म,10 से न्यायिक कार्य करेंगे अधिवक्ता

मेट्रो रेज

रांचीः रांची जिला बार एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए घोषणा की है कि 10 अगस्त (सोमवार) से रांची व्यवहार न्यायालय में अधिवक्ता पूर्व की भांति अपने नियमित न्यायिक कार्यों में शामिल होंगे। एसोसिएशन की ओर से इस संबंध में एक आवश्यक सूचना जारी की गई है जिसमें तमाम अधिवक्ताओं से अपने अदालती कामकाज को सुचारू रूप से संचालित करने का आग्रह किया गया है। हालांकि, एसोसिएशन ने यह भी स्पष्ट किया है कि एसडीओ (एसडीओ) और एक्जीक्यूटिव कोर्ट के कामकाज के बहिष्कार का जो निर्णय पहले लिया गया था वह अनिश्चितकालीन रूप से अगले आदेश तक जारी रहेगा। इन अदालतों में वकीलों की हड़ताल और न्यायिक कार्यों का बहिष्कार यथावत बना रहेगा। सोमवार से वकीलों और वादकारियों की सुविधा के लिए पुराने और नए दोनों बार भवनों के काउंटर पूर्व की तरह दोबारा खोल दिए जाएंगे ये सभी काउंटर नियमित रूप से अपना काम करेंगे जिससे न्यायालयीन प्रक्रियाओं से जुड़े कागजात और अन्य जरूरी कार्यों में आसानी हो सकेगी।

न्यायिक कार्य बहाल होने के बाद भी एसोसिएशन के पूर्व निर्णय प्रभावीः न्यायिक कार्य शुरू करने और दोनों तरफ के काउंटर खोलने के इस बड़े फैसले के अलावा, एसोसिएशन या आमसभा द्वारा पूर्व में लिए गए अन्य सभी निर्देश और निर्णय पहले की तरह पूरी तरह प्रभावी रहेंगे। एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी के सदस्य संजय विद्रोही ने जानकारी देते हुए बताया कि कमेटी ने सभी अधिवक्ताओं से अपील की है कि वे एसोसिएशन द्वारा पूर्व में लिए गए सभी निर्णयों का पूर्ण अनुपालन करें। साथ ही इस दौरान वकीलों से पूरी एकजुटता और अनुशासन बनाए रखने का भी आह्वान किया गया है ताकि बार की गरिमा और एकता बनी रहे।

शहीद निर्मल महतो का 39वां शहादत दिवस आज, पतरातू में होगा पार्क का उद्घाटन

संवाददाता

रांची (पतरातू): झारखंड आंदोलन के अमर शहीद निर्मल महतो का 39वां शहादत दिवस आज शनिवार को पूरे श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर पतरातू के पीटीपीएस स्थित शहीद निर्मल महतो चौक में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। साथ ही आज शहीद निर्मल महतो पार्क का उद्घाटन भी किया जाएगा।

कार्यक्रम में रहेंगे कई गणमान्य लोगः आज आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अशोक कुमार सहगल, सांसद प्रतिनिधि राधेश्याम अग्रवाल एवं जिला पार्षद राजाराम प्रजापति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

निर्मल महतो का बलिदान झारखंड आंदोलन की नींव हैः कार्यक्रम के आयोजक सह अध्यक्ष किशोर कुमार महतो ने बताया कि इस दिन शहीद निर्मल महतो की शहादत को नमन करने के साथ-साथ झारखंड आंदोलन में उनके योगदान और संघर्ष को याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शहीद निर्मल महतो का बलिदान झारखंड आंदोलन की नींव है और उनकी शहादत आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

निर्मल महतो पार्क का होगा उद्घाटन

:इस मौके पर पीटीपीएस क्षेत्र में नव निर्मित शहीद निर्मल महतो पार्क का भी उद्घाटन किया जाएगा। पार्क का निर्माण क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से मांग थी। पार्क के बनने से स्थानीय लोगों को बैठने और शहीद को नमन करने के लिए एक सम्मानजनक स्थान मिलेगा। किशोर कुमार महतो ने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों, समाजसेवियों एवं आम लोगों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित करें।

रांची में आज से सहारा निवेशकों का अनिश्चितकालीन सत्याग्रह, 32 हजार करोड़ रुपये की वापसी की मांग

संवाददाता

रांची : सहारा इंडिया की विभिन्न सोसाइटियों और कंपनियों में अपनी गाढ़ी कमाई जमा कर चुके झारखंड के लाखों निवेशकों के लिए रविवार का दिन बड़ा होने जा रहा है। अपने फंसे हुए 32 हजार करोड़ रुपये की वापसी की मांग को लेकर पीड़ित निवेशक और एजेंट संयुक्त रूप से रांची स्थित लोकभवन के समीप अनिश्चितकालीन सत्याग्रह शुरू कर रहे हैं। राज्यभर से करीब 400 से 500 निवेशकों और एजेंटों के जुटने की सूचना मिलने के बाद पुलिस मुख्यालय की स्पेशल ब्रांच ने पूरे झारखंड में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। स्पेशल ब्रांच ने डीजीपी, सभी प्रमंडलीय आयुक्त जोनल आईजी, रेंज डीआईजी और जिलों के एसपी को सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने और कड़ी निगरानी के निर्देश दिए हैं।

नदी में डूबने से तीन साल के बच्चे की मौत, मातम

जैंतगढ़: मयूरभंज जिले के घागरबेड़ा थाना इलाके के जेबासाही गांव में शुक्रवार शाम एक दिल दहला देने वाली घटना हुई। गांव के जेबा मुंडा के 3 साल के बेटे की नदी में डूबने से मौत हो गयी। इस घटना के बाद पूरे इलाके में मातम छा गया है। मिली जानकारी के अनुसार जेबा मुंडा का घर नदी किनारे स्थित है। शाम के साढ़े पांच बजे बचा खेलता हुआ नदी किनारे पहुंच गया। बारिश होने के कारण घाट में काफी फिसलन था। तीन वर्षीय बच्चा फिसलता हुआ नदी में समा गया। उस समय खेती के काम से लौटे कुछ ग्रामीण भी घाट पर हाथ पैर धोने या स्नान करने पहुंचे। उन्होंने बच्चे को पानी में डूबता देखा,इसकी खबर उसके पिता जेबा मुंडा को दी गयी। परिजनों ने ग्रामीणों के सहयोग से बच्चे को बाहर निकाला और उसे लेकर चंपुआ अनुमंडल अस्पताल पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने जांच करने के बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही गागर बेड़ा थाना से पुलिस की टीम चंपुआ अस्पताल पहुंची। घटना स्थल का निरीक्षण कर आगे की करवाई शुरू कर दी। परिजन बच्चे की उम्र काफी कम होने के कारण पोस्ट मार्टम करने से मना कर रहे थे। काफी समय तक विवाद चलता रहा। फिर पुलिस और डॉक्टरों के जाने के बाद देर रात पोस्ट मार्टम कर शव को परिजनों के हवाले कर दिया गया। घटना के बाद गांव में मातम पसर गया है।

देवेंद्र नाथ महतो से मिले गुलाम मुस्तफा

संवाददाता

रांचीः आज शनिवार को भारतीय एकता कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा रांची के जयपाल सिंह स्टेडियम गए और कई दिनों से भूख हड़ताल और धरना किए हुए युवा क्रांतिकारी छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो से भेंट की। और उनसे हिम्मत और सब्र से काम लेने की अपील की । इस अवसर पर गुलाम मुस्तफा ने कहा कि मुख्यमंत्री छात्रों की जायज मांगे स्वीकार करें। यह छात्र के भविष्य की बात है किसी भी छात्र के जीवन से खिलवाड़ नहीं किया जाए। भारतीय एकता कमेटी इन छात्रों के साथ हमेशा है और हमेशा रहेगा । इस अवसर पर मुख्य सचिव रामेश्वर राम भी उपस्थित थे । उन्होंने छात्र की मांगों को सही ठहराया और झारखंड सरकार से इन छात्रों को मदद करने की अपील की।

कार्यालय, उपाधीक्षक, सदर असपताल, राँची

E-Mail:- dhmranchi@gmail.com

अल्पकालीन ईच्छा की अभिव्यक्तिद्य

ज्ञापांक- 1104 / राँची, दिनांक– 07 / 08 / 2026

सदर अस्पताल, राँची में Fire Fighting System को चालू करने एवं AMC कार्य का सम्पादन करने हेतु विभिन्न शर्त्तों के साथ अल्पकालीन ईच्छा की अभिव्यक्ति आमंत्रित की जाती है। इच्छुक संस्थान/फर्म दिनांक– 22.08.2026 के अपराह्न 12:00 बजे तक निम्नांकित शर्त्तों के अनुरूप अपना मुहरबंद निविदा एवं विस्तृत विवरणी उपाधीक्षक कार्यालय, सदर अस्पताल, राँची में जमा किया जाना है एवं दिनांक– 22.08.2026 के अपराह्न 03:00 बजे प्राप्त निविदाओं को समिति के समक्ष खोला जायेगा। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात् जमा किये जाने वाले निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

निविदा के नियम एवं शर्त्तें, संलग्न किये जाने वाले दस्तावेजों की विवरणी, Scope of Work (Annexure-I), आदि जिला के आधिकारिक वेबसाईट https://www.ranchi.nic.in पर देखा जा सकता है।

उपाधीक्षक,
सदर अस्पताल, राँची।

PR.NO.386884 Health Med Edu and Family Welfare(26-27):D

जेपीएससी- जेएसएससी आंदोलन

प्रदर्शन कर रहे अनशनकारियों की बिगड़ने लगी तबीयत, सदर अस्पताल में एक और छात्र भर्ती

संवाददाता

रांची : रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित धांधली के खिलाफ चल रहे छात्र आंदोलन में अब अभ्यर्थियों की सेहत बिगड़ने लगी है। आमरण अनशन पर बैठे पलामू निवासी छात्र राहुल क्रांति की तबीयत अचानक खराब होने के बाद उन्हें रांची सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शनिवार सुबह 10 बजे डॉक्टरों की टीम ने राहुल का मेडिकल चेकअप किया, जिसमें उन्हें वायरल फीवर होने की पुष्टि हुई है।

सदर अस्पताल प्रशासन का बयानः सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ विमलेश सिंह ने भर्ती अभ्यर्थियों के स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए बताया कि अस्पताल में एक ही मरीज (राहुल क्रांति) एडमिट हैं, जिनका इलाज चल रहा है और उनकी स्थिति स्थिर है। इससे पहले अचानक बेहोश (फेंट) होने के कारण एक अन्य छात्र को अस्पताल लाया गया था। सामान्य इलाज और ड्रिप (फ्ल्यूड) चढ़ाने के बाद उसकी स्थिति सामान्य हो गई थी। जब उन्होंने डॉक्टरों से डिस्चार्ज करने का आग्रह किया तो उसके स्वास्थ्य की जांच-पड़ताल के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी।

धरना स्थल पर संक्रामक बीमारियों का खतराः रांची में लगातार हो रही बारिश और उमस भरे मौसम के बीच जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में अभ्यर्थियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। खुले आसमान के नीचे अनशन और प्रदर्शन कर रहे छात्रों के बीच संक्रामक बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ने लगा है। भीड़भाड़ और गीले-उमस भरे माहौल के कारण धरना स्थल पर मौजूद कई छात्रों में सिरदर्द, गले में खराश/दर्द और डिहाइड्रेशन की शिकायतें सामने आ रही हैं। आइसा के झारखंड सचिव त्रिलोकीनाथ ने दावा किया है कि अनशन स्थल पर बुनियादी सुविधाओं की कमी और लगातार खुले में रहने के कारण प्रतियोगी छात्र वायरल फीवर, डिहाइड्रेशन और मौसमी बीमारियों से जूझ रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से तत्काल चिकित्सा व्यवस्था और स्वास्थ्य शिविर लगाने की मांग की है।

कार्यालय : जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गुमला।

SP आवास के पास, करमटोली रोड, गुमला–7209721521

Email Id- fisheriesgumla2018@gmail.com

गुमला जिला अन्तर्गत बिहार/झारखण्ड सहकारी समितियाँ अधिनियम–1935 तथा बिहार/झारखण्ड स्वावलंबी सहकारी समितियाँ अधिनियम 1996 के अन्तर्गत निबंधित एवं वर्तमान में कार्यरत समितियों के लिए वर्ष 2026–27 से 2028–29 की अवधि में अपने कार्यक्षेत्र अन्तर्गत अवस्थित जलकरों के अल्पकालीन बन्दोबस्ती हेतु प्रस्ताव प्रेशण से संबंधित आवश्यक सूचना।

अति अल्पकालीन प्रस्ताव प्रेषण

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वर्श 2026–27 से 2028–29 की अवधि हेतु गुमला जिला के ऐसे जलकरों की अल्पकालीन बन्दोबस्ती, जिनकी बन्दोबस्ती अवधि 31 मार्च 2026 को समाप्त हो चुकी है या जो पूर्व से अबन्दोबस्त है कि बन्दोबस्ती नियमानुसार करने हेतु विज्ञापन संख्या PR 385519 Fish (26-27)_D द्वारा प्रस्ताव का प्रेशण किया गया था। जिसके आलोक में गुमला जिले में कार्यरत विभिन्न समितियों के द्वारा जिला मत्स्य कार्यालय, गुमला में बन्दोबस्ती लेने हेतु प्रस्ताव जमा नहीं किया गया है (प्रखण्ड जारी, भरनो, गुमला, चैनपुर को छोड़कर)। पुनः गुमला जिले में कार्यरत समितियों को निदेश है कि दिनांक 14.08.2026 तक कार्यालय अवधि में जिला मत्स्य कार्यालय, गुमला में बन्दोबस्ती लेने हेतु वांछित कागजातों के साथ प्रस्ताव जमा करेंगें। संबंधित जलकरों की सूची जिला मत्स्य कार्यालय, गुमला के सूचनापट्ट पर अंचलवार देखी जा सकती है या कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

प्रस्ताव के साथ निम्नवर्णित दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य है :–

1. सहायक निबंधक, सहयोग समितियाँ/जिला सहकारिता पदाधिकारी के द्वारा वर्तमान कैलेन्डर वर्श में निर्गत स्वच्छता प्रमाण–पत्र।
2. आमसभा की कार्यवाही की अभिप्रमाणित छायाप्रति।
3. अंकेक्षण प्रतिवेदन की छायाप्रति।
4. विशेष आमसभा/निर्वाचन कार्यवाही की अभिप्रमाणित छायाप्रति।
5. पूर्व से बन्दोबरत जलकरों की वितरण सूची (वर्शवार)।
6. पूर्व के बकायेदार नहीं रहने संबंधी प्रमाण–पत्र।
7. अद्यतन राजस्व जमा से संबंधित रसीद की छायाप्रति।
8. सदस्यता सूची सहायक निबंधक, सहयोग समितियाँ, गुमला के द्वारा अभिप्रमाणित छायाप्रति।

यदि कोई जलकर एक से अधिक मत्स्यजीवी सहयोग समितियों के क्षेत्राधिकार में अवस्थित हो तथा ऐसी सभी समितियाँ बन्दोबस्ती की अर्हता पुरी करती हो, तो वैसी स्थिति में इन समितियों के बीच सीमित डाक कराकर उच्चतम् बोली लगाने वाली समिति के साथ जलकर की बन्दोबस्ती की जाएगी। निर्धारित तिथि तक जिन जलकरों की बन्दोबस्ती का प्रस्ताव प्राप्त नहीं होगा, उनके खुले डाक से बन्दोबस्ती की प्रकिया प्रारंभ की जाएगी।

समितियों की सूची निम्न है :–

क0सं0	समिति का नाम	कार्यक्षेत्र	अभ्युक्ति
01	मुर्गू मत्स्य जीवी सहयोग समिति लि0	प्रखण्ड स्तरीय	
02	सिसई मत्स्य जीवी सहयोग समिति लि0	पंचायत स्तरीय	
03	भुरसो मत्स्य जीवी सहयोग समिति लि0	पंचायत स्तरीय	
04	मुरकुण्डा मत्स्य जीवी सहयोग समिति लि0	पंचायत स्तरीय	
05	सेहल मत्स्य जीवी सहयोग समिति लि0	पंचायय स्तरीय	
06	गुमला प्रखण्ड मत्स्य जीवी सहयोग समिति लि0	प्रखण्ड स्तरीय	
07	सिसई मत्स्य जीवी स्वांवलम्बी स0स0लि0	प्रखण्ड स्तरीय	
08	बसिया प्रखण्ड स्तरीय मत्स्य जीवी स0स0लि0	प्रखण्ड स्तरीय	

PR 386915 Fish(26-27)D

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह– मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गुमला।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

प्रकृति प्रेमी झारखंड में उग्र होती जातीय राजनीति और बदलती संस्कृति

देश के विकसित राज्यों या विदेशों की लंबी या छोटी यात्रा के बाद जब कोई झारखंडी अपने शहर में आता है तब उसे अनुभव होता है कि हम लाख दावे कर लें पर अभी भी देश की विकास यात्रा में लगभग ढाई दशक और और विदेशों से पचास साल साल पीछे हैं। यह मुद्दा अक्सर हमारे घरों में भी उठता है जब लोग सरकारों को दोष देते हैं पर क्या सारा दोष 26 साल की झारखंडी सरकारों का या उसके पहले के अविभाजित बिहार की सरकार का ही है या मामला इतना सरल नहीं ? पड़ोसी बंगाल के प्रमुख शहर कोलकाता में जो कभी अंग्रेजों के समय देश की राजधानी थी आज भी लोग स्वेच्छा से लाइन में लगकर ऑटो या बस पकड़ते हैं और आपाधापी नहीं मचाते जबकि देश की राजधानी दिल्ली में कुछ दशक पहले तक दौड़कर सड़क पार करने वाले या धक्का-मुक्की करने वालों को मजाक उड़ाने के लिए बिहारी हो क्या कहा जाता था जो बहुत ही अपमानजनक लगता था जबकि बिहार या झारखंड में सीट लूटने से लेकर अवसर लूटने वाले को विजेता या मर्द कहा जाता रहा है और आज भी भ्रष्टाचार या हत्या जैसे अपराध में लिप्त या सजायाफ्ता नेता भी जातीय आधार पर बड़े समूह के आंखों के तारे बने हुए हैं । ये बातें चुभने वाली हैं पर सच हैं और इसकी जड़ में है इसका मूल कारण या समाधान। कुछ लोग इसे राज्य विशेष की संस्कृति भी मानते हैं और बहुत हद तक ये बात सच भी है क्योंकि जहां के लोग जितनी समस्याओं से जूझते हैं और जिस माहौल में काम करते हैं उसकी छाप उनके स्वभाव या कार्य संस्कृति में आ जाती है। मुंबई को बहुत ही अनुशासित या समय का पाबंद शहर माना जाता है जहां की यह पहचान भी है क्योंकि देश के व्यापार और फिल्म जगत की राजधानी का गौरव प्राप्त मुंबई को पता है कि यदि इस संस्कृति को छोड़कर अन्य राज्यों की तरह दबंगई की गई तो पूरे महानगर के करोड़ों लोगों के रोजी-रोजगार पर इसका विपरीत असर पडेगा । यही कारण है कि छिट-पुट राजनीतिक प्रदर्शनों के बाद ऐसी अराजकता को बहुमत का समर्थन नहीं मिलता। बिहार से झारखंड को अलग हुए 26 साल होने को हैं पर वहां की कार्य संस्कृति से अलग नई संस्कृति पनप नहीं पाई क्योंकि विभिन्न पार्टियों ने अपनी सत्ता बनाने या बचाने के लिए उन समस्याओं की राजनीति की पर उसका समाधान नहीं किया या उसे मुद्दा नहीं बनाया । बिहार में अभी चुनाव है और अभी भी वहां के प्रभावशाली नेता विकास या बिहार से पलायन क्यों जैसे मुद्दों के बजाय जातीय जनगणना को उछाल कर अंग्रेजों की बांटों और राज करो के आजमाए हुए फॉमूर्ले पर काम कर रहे हैं क्योंकि उन्हें मालूम है कि अपने बच्चों या समुदाय के भविष्य को असुक्षित मानकर गरीब लोग अपनी जाति के दबंगों को ही मसीहा मानते रहेंगे तब तक मुख्य मुद्दों से उन्हें दूर रखा जाएगा । सवाल यह है कि यदि किसी जाति या धर्म विशेष का आपराधिक छवि वाला नेता ही उन्हें न्याय दिलाएगा या माओवादी उन्हें न्याय दिलाएंगे तो सरकार किस लिए है ? कुछ भ्रष्ट नेता जो हत्या या भ्रष्टाचार के दोषसिद्ध अपराधी हैं या जमानत पर हैं वे प्रशासन,पुलिस और न्याय व्यवस्था के संवैधानिक ढांचे से ऊपर कैसे हैं या क्यों हैं जिनकी शरण में दबे-कुचले वंचित वर्ग के लोग जाने को मजबूर यदि हैं तो क्यों और कब तक ? वहां की राजनीति के माहिर खिलाड़ी झारखंड में भी विद्वेष पैदाकर जमीन तलाशते रहे हैं और कुछ हद तक झारखंड के लोगों में आई उग्रता या हिंसात्मक प्रवृति इन्हीं लोगों की देन है जो करोड़ों बांटकर अरबों कमाने की आस लगाए बैठे हैं।

उज्ज्वल है भारत का खेल भविष्य

इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल में भारत का प्रदर्शन उम्मीद से कहीं बेहतर रहा। भारत ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य सहित कुल 39 पदक जीते। वह पदक तालिका में चौथे नंबर पर रहा। पहली नजर में यह प्रदर्शन बर्मिंघम 2022 के 61 पदक से कमजोर दिख सकता है, लेकिन आंकड़े अलग कहानी बताते हैं। इस बार ग्लासगो में सिर्फ 10 खेल शामिल थे, जबकि बर्मिंघम में 19 खेल खेले गए थे। बैडमिंटन, कुश्ती, शूटिंग, हॉकी, टेबल टेनिस और क्रिकेट जैसे खेल ग्लासगो गेम्स का हिस्सा नहीं थे, जिनसे 2022 में भारत को 30 पदक मिले थे। इसके अलावा भारत ने 210 खिलाड़ियों की जगह सिर्फ 123 खिलाड़ियों का दल भेजा। इनमें से 38 खिलाड़ी पदक जीतकर लौटे, यानी सफलता की दर 31 प्रतिशत रही। बर्मिंघम में यह आंकड़ा 29 प्रतिशत था।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल शुरू होने से पहले भारतीय ओलंपिक संघ और विभिन्न खेल महासंघों की आंतरिक रिपोर्ट में भारत को 6 स्वर्ण समेत 31 पदक मिलने का अनुमान लगाया गया था। भारतीय खिलाड़ियों ने अनुमान से दोगुना से भी ज्यादा स्वर्ण जीते। कुल पदक में भी आगे निकल गए। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल में भारत का सबसे सफल खेल बॉक्सिंग रहा। 14 मुक्केबाजों के दल में से 10 खिलाड़ी पदक जीतकर लौटे। इसमें 7 स्वर्ण और 3 रजत शामिल रहे। यानी 71 प्रतिशत मेडल कन्वर्जन रेट। बर्मिंघम 2022 में यह आंकड़ा 58 प्रतिशत था। पदक वितरण समारोह के दौरान सात बार भारत का राष्ट्रगान बजना न सिर्फ ग्लासगो में मौजूद भारतीय दर्शकों के लिए गर्व का पल था, बल्कि इस बात का सबूत भी था कि इस गैर-पारंपरिक खेल को गांवों और छोटे कस्बों तक ले जाने की पहल काफी हद तक सफल रही है। भारतीय बॉक्सरों के प्रदर्शन की जितनी भी प्रशंसा की जाए वो कम है। जूडो में भारत ने पहली बार राष्ट्रमंडल खेल इतिहास में स्वर्ण जीता। अस्मिता डे और हर्ष सिंह ने स्वर्ण जीता। यामिनी मौर्य ने रजत और उन्नति शर्मा ने कांस्य जीतकर कुल चार पदक भारत की झोली में डाले। हालांकि 14 सदस्यीय भारतीय टीम के दो खिलाड़ी अरुण कुमार और तुलिका मान डोपिंग के कारण बाहर हो गए। इसी तरह, एथलीटों और पैरा-एथलीटों ने 16 पदक जीते। इनमें से कुछ ने तो नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाए। वेटलिफ्टर्स ने आठ और पदक जीते। इन पदकों में ओलंपियन मीराबाई चानू का जीता हुआ एक स्वर्ण पदक भी शामिल था, जिससे उन्होंने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की; मणिपुर की इस एथलीट ने इससे पहले 2018 गोल्ड कोस्ट और 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल में भी स्वर्ण पदक जीता था। असल में, मीराबाई चानू की शानदार कामयाबी के बावजूद, भारतीय वेटलिफ्टरों का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। इस निराशा की एक वजह यह है कि डोपिंग के आरोपों के कारण कम से कम दो भारतीय वेटलिफ्टरों की एंट्री वापस लेनी पड़ी। छह अन्य खिलाड़ी–कड़ी टक्कर न होने के बावजूद–लड़ने के जज्बे की कमी या तकनीकी गलतियों की वजह से स्वर्ण पदक जीतने का मौका चूक गए। एथलेटिक्स ने भारत को 10 पदक दिलाए, लेकिन एक भी स्वर्ण नहीं आया। नीरज चोपड़ा रजत जीत सके। उनके साथ डेब्यू कर रहे यशवीर सिंह ने कांस्य जीता। गुलवीर सिंह ने 10 हजार मीटर में सिल्वर और 5 हजार मीटर रेस में कांस्य जीतकर इतिहास रचा। गुलवीर एक ही कॉमनवेल्थ गेम्स में एथलेटिक्स में दो पदक जीतने वाले वह भारत के पहले खिलाड़ी भी बनें। तेजस्विन शंकर ने डेकाथलन में भारत का पहला राष्ट्रमंडल पदक दिलाया। सरवेश कुशारे, श्रीशंकर, प्रवीण चित्रावेल और सीमा कालीरामना भी पदक जीतने में सफल रहे।

परंपरा और संविधान के बीच संतुलन तलाशता समाज

ग्रामीण समाज में उन्होंने विवाद निपटाने, सामाजिक अनुशासन बनाए रखने और सामुदायिक सहयोग को मजबूत करने का कार्य किया है। अनेक अवसरों पर जल संरक्षण, नशामुक्ति, सामाजिक समरसता और सामूहिक हितों से जुड़े निर्णयों में उनकी सकारात्मक भूमिका रही है इसलिए उन्हें नकारात्मक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा।

डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा के जींद जिले में नौगामा खाप की महापंचायत द्वारा प्रेम विवाह करने वाले जोड़ों के 21 गांवों में प्रवेश पर रोक लगाने संबंधी कथित निर्णय ने एक बार फिर उस बहस को जीवित कर दिया है, जो समय-समय पर भारतीय समाज के सामने खड़ी होती रही है- क्या सामाजिक परंपराएं किसी बालिग नागरिक के संवैधानिक अधिकारों से ऊपर हो सकती हैं? यह विवाद केवल एक पंचायत या एक गांव तक सीमित नहीं है बल्कि बदलते भारतीय समाज, लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक संरचनाओं के बीच संतुलन की चुनौती को भी सामने लाता है। खाप पंचायतों का इतिहास सदियों पुराना है। ग्रामीण समाज में उन्होंने विवाद निपटाने, सामाजिक अनुशासन बनाए रखने और सामुदायिक सहयोग को मजबूत करने का कार्य किया है। अनेक अवसरों पर जल संरक्षण, नशामुक्ति, सामाजिक समरसता और सामूहिक हितों से जुड़े निर्णयों में उनकी सकारात्मक भूमिका रही है इसलिए उन्हें नकारात्मक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। किंतु जब कोई निर्णय संविधान द्वारा प्रदत्त व्यक्तिगत स्वतंत्रता को प्रभावित करता दिखाई देता है, तब उस पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

भारतीय संविधान प्रत्येक बालिग नागरिक को अपनी पसंद से जीवनसाथी चुनने का अधिकार देता है। सर्वोच्च न्यायालय भी अनेक निर्णयों में स्पष्ट कर चुका है कि दो वयस्कों का सहमति से किया गया विवाह कानून की दृष्टि में पूरी तरह वैध है। ऐसी स्थिति में किसी सामाजिक संस्था द्वारा ऐसे विवाहों पर रोक लगाने या सामाजिक बहिष्कार की घोषणा लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं मानी जा सकती। इस पूरे विवाद के बीच सोशल मीडिया पर वायरल एक युवती का वीडियो चर्चा का केंद्र बन गया। उसने एक ऐसा सवाल उठाया, जिसे केवल भावनात्मक प्रतिक्रिया कहकर टाला नहीं जा सकता। उसका प्रश्न था कि जब हरियाणा में वर्षों तक कन्या भ्रूण हत्या के कारण लड़कियों की संख्या कम होती रही और अनेक परिवार दूसरे राज्यों से महिलाओं को खरीद कर विवाह करने लगे, तब समाज की सामूहिक चेतना उतनी मुखर क्यों नहीं दिखाई दी? यदि सहमति से किया गया प्रेम विवाह सामाजिक संकट माना जाता है तो मानव तस्करी जैसी अमानवीय प्रवृत्तियों पर समान कठोरता क्यों नहीं दिखाई जाती? यह प्रश्न केवल खाप पंचायतों के लिए नहीं, पूरे समाज के लिए आत्ममंथन का विषय है। दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा, बाल विवाह, महिला उत्पीड़न, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और बेटियों के प्रति भेदभाव जैसे अनेक सामाजिक संकट आज भी हमारे सामने हैं। यदि समाज की सामूहिक शक्ति इन समस्याओं के समाधान में अधिक सक्रिय हो तो उसका सकारात्मक प्रभाव कहीं अधिक व्यापक होगा। यह भी सत्य है कि हर प्रेम विवाह सफल नहीं होता। कई बार जल्दबाजी, अपरिपक्व निर्णय या पारिवारिक संवाद की कमी से रिश्तों में तनाव पैदा होता है। माता-पिता की चिंताएं भी कई बार वास्तविक होती हैं। इसलिए युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे अपने निर्णय परिपक्वता, पारदर्शिता और परिवार के सम्मान को ध्यान में रखकर लें। संवाद हमेशा टकराव से बेहतर विकल्प होता है।

उधर, सामाजिक संस्थाओं को भी यह स्वीकार करना होगा कि बदलते समय में अधिकारों और स्वतंत्रताओं की नई समझ विकसित हुई है। परंपराओं का सम्मान आवश्यक है किंतु वे तभी टिकाऊ होती हैं जब वे न्याय, समानता और मानव गरिमा के साथ सामंजस्य स्थापित करें। समाज की भूमिका भय पैदा करने की नहीं, विश्वास बनाने की होनी चाहिए।

एक और महत्वपूर्ण पक्ष प्रतिनिधित्व का है। जिन निर्णयों का सबसे अधिक प्रभाव महिलाओं पर पड़ता है, उनमें महिलाओं की भागीदारी कितनी है? क्या सामाजिक निर्णय प्रक्रिया में सभी वर्गों की पर्याप्त सहभागिता सुनिश्चित है? लोकतांत्रिक समाज में यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना परंपरा और अधिकार का प्रश्न। आज का भारत तेजी से बदल रहा है। शिक्षा, रोजगार, तकनीक और संचार ने नई पीढ़ी की सोच को नया आयाम दिया है। ऐसे समय में सामाजिक संस्थाओं के सामने चुनौती यह है कि वे अपनी ऐतिहासिक भूमिका को बनाए रखते हुए संवैधानिक मूल्यों के साथ तालमेल बैठाएं। संवाद, समझ और सहमति का मार्ग ही समाज को आगे ले जा सकता है। दरअसल, यह विवाद प्रेम विवाह बनाम परंपरा का नहीं बल्कि समाज की प्राथमिकताओं का है। यदि हम कन्या भ्रूण हत्या, दहेज, महिला सुरक्षा, शिक्षा और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर उतनी ही गंभीरता से एकजुट हों, जितनी व्यक्तिगत निर्णयों पर दिखाई देती है तो समाज अधिक स्वस्थ और संतुलित बन सकता है।

लोकतंत्र की शक्ति इसी में है कि वह परंपराओं का सम्मान करते हुए भी व्यक्ति की गरिमा और स्वतंत्रता की रक्षा करता है। इसलिए आवश्यकता किसी पक्ष की पूर्ण विजय की नहीं बल्कि ऐसे सामाजिक संवाद की है जिसमें परंपरा भी सम्मानित रहे और संविधान भी सर्वोच्च बना रहे। यही संतुलन भविष्य के भारत की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

देश को आत्मनिर्भर बनाने वाली घोषणाओं का गवाह बनता लालकिला

नई मिसाल कायम करते हुए गिन–गिनकर हर एक वायदे को पूरा किया। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद सर्वाधिक 13वीं इस 15 अगस्त को नरेन्द्र मोदी लालकिला से राष्ट्रीय ध्वज को फहरा कर राष्ट्र को संबोधित करेंगे। नेहरूजी ने लालकिला से 17 बार राष्ट्रीय ध्वज फहराया था।

मनोज कुमार मिश्र

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगातार 12 बार स्वतंत्रता दिवस पर लालकिला संबोधन में अपनी और अपने सरकार की कथनी और करनी के भेद को खत्म किया। लगभग हर बार देश के अतीत के सुनहरे किस्सों से लेकर भविष्य की योजनाओं से जुड़ी बातें कही। समाज और देश से जुड़े राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर खुलकर बोले। अनेक वायदे किए और घोषणाएं की। आमतौर पर हर बार भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद पर चोट किया। नई मिसाल कायम करते हुए गिन-गिनकर हर एक वायदे को पूरा किया। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद सर्वाधिक 13वीं इस 15 अगस्त को नरेन्द्र मोदी लालकिला से राष्ट्रीय ध्वज को फहरा कर राष्ट्र को संबोधित करेंगे। नेहरूजी ने लालकिला से 17 बार राष्ट्रीय ध्वज फहराया था। प्रधानमंत्री मोदी लालकिला के संबोधन में अपना दायरा लगातार बढ़ा रहे हैं। इस संबोधन को उन्होंने अपनी सरकार की योजनाओं को आमजन को बताने और समाज में हाशिए पर पहुंचाए गए लोगों को राष्ट्र की मुख्यधारा में लाने का कारगर उपकरण बनाया। यह सिलसिला लगातार जारी है। इसी का परिणाम है कि केन्द्र में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के अलावा देश के तीन चौथाई राज्यों में उनकी पार्टी भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकारें हैं। लालकिला से प्रधानमंत्री का सबसे छोटा संबोधन साल 2017 में 56 मिनट और सबसे बड़ा साल 2025 में 123 मिनट का था। साल 2014 में 65 मिनट, 2015 में 88 मिनट, 2016 में 96 मिनट, 2018 में 83 मिनट, 2019 में 92 मिनट, 2020 में 90 मिनट, 2021 में 88 मिनट, 2022 में 74 मिनट, 2023 में 90 मिनट और 2024 में 98 मिनट तक प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित किया। 2014 में अपने भाषण की शुरूआत ही उन्होंने अपने को देश का प्रधानमंत्री के बजाए प्रधान सेवक कह कर किया। भ्रष्टाचार पर चोट करते हुए उन्होंने कहा कि इस सरकार की एक बड़ी प्राथमिकता सरकारी विभागों से भ्रष्टाचार को खत्म करने की है। उन्होंने हर सरकारी स्कूल में शौचालय बनाने पर जोर दिया ताकि लड़कियां स्कूल छोड़ने पर मजबूर न हों। सांसद आदर्श ग्राम योजना की घोषणा की जिसके तहत हर सांसद अपनी सुविधा से एक गांव को गोद लें और तय समय में उस गांव का समग्र विकास करवाएं। सरकारी सुविधाओं का लाभ आम लोगों को दिलवाने यानी सरकारी पैसा सीधे उनके खातों में भेजने के लिए सरकारी बैंकों में जनधन खाता खुलवाने की घोषणा की। मई 2026 तक देश में 58.15 करोड़ जनधन खाते खोले गए। उसी संबोधन में प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान की घोषणा की। इसकी शुरूआत महात्मा गांधी के जन्मदिन 02 अक्तूबर, 2014 से प्रधानमंत्री ने खुद सफाई करके की। इसी अभियान के तहत देश को खुले में शौच से मुक्त करने के लिए हर घर में शौचालय बनाने का अभियान शुरू हुआ। अब तक देशभर में 12 करोड़ से ज्यादा शौचालयों का निर्माण सरकार करा चुकी है। इसे आम बोलचाल की भाषा में ह्यइज्जत घरह्ल कहते हैं। अगले साल यानी 2015 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिजली कनेक्शन से रह गए 18,500 गांवों तक बिजली पहुंचाने की घोषणा की और इसे पूरा किया। उसी संबोधन में उन्होंने देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ह्यस्टारअप और स्टेंडअप इंडियाह्ल कार्यक्रम की घोषणा की। जिसके माध्यम से स्वरोजगार योजना गांव-गांव पहुंची और हर इलाके में तेजी से उद्योग-धंधे लगे। इसी तरह धुआं मुक्त रसोई के लिए ह्यप्रधानमंत्री उज्ज्वला योजनाह्ल शुरू की गई। इसके तहत 11 करोड़ से ज्यादा घरों में रसोई गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। साल 2016 में गुड गवनेंस और सुराज की घोषणा की। बिजली-पानी की आपूर्ति में सुधार करने के साथ-साथ एलईडी बल्ब का बड़े पैमाने पर वितरण शुरू करने की घोषणा की। सरकारी सेवाओं के ग्रुप सी और डी की भर्ती प्रक्रिया से साक्षात्कार समाप्त करने की घोषणा की। साल 2017 के राष्ट्र के नाम अपने संदेश में उन्होंने फिर से भ्रष्टाचार, जातिवाद, आतंकवाद और सांप्रदायिकता को खत्म करने पर जोर दिया। मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए तीन तलाक से मुक्ति दिलाने की घोषणा की। साल 2018 में लालकिला से उन्होंने प्रधानमंत्री आयुष्मान जन आरोग्य योजना शुरू करने की घोषणा की। इसके तहत हर व्यक्ति को पांच लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। इसका लाभ 60 करोड़ से ज्यादा लोग उठा रहे हैं। सेना में शॉर्ट सर्विस में आई महिला अधिकारियों को भी प्रमोशन (कमीशन) देने की घोषणा की। उसी संबोधन में साल 2022 में पहला मानव मिशन अंतरिक्ष में भेजने की घोषणा की। साल 2019 के संबोधन में जम्मू-कश्मीर से ह्यअनुच्छेद 370ह्ल हटाने की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने तीनों सेनाओं के संयोजन के लिए ह्यचीफ आफ डीफेंस स्टाफह्ल पद बनाने की घोषणा की। हर घर साफ पानी पहुंचाने के लिए हर घर नल यानी ह्यजल जीवन मिशनह्ल की शुरूआत हुई। इसके तहत 16 करोड़ घरों से ज्यादा घरों में नल से जल पहुंचाया जा रहा है। उसी संबोधन में उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन (एक ट्रिलियन यानी दस लाख करोड़) डॉलर तक पहुंचाने की घोषणा की। साल 2020 का समय कोरोना महामारी का था। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में ह्यनेशनल डिजिटल मिशनह्ल की घोषणा की और कोविड 19 वैक्सीन को विकसित करने की भी घोषणा की। साल 2021 के संबोधन में उन्होंने देश के मूलभूत ढांचे के विकास के लिए ह्यप्रधानमंत्री गति शक्ति योजनाह्ल शुरू करने की घोषणा की। देश के विभिन्न हिस्सों को जोड़ने के लिए विशेष ट्रेन सेवा वंदेभारत शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने 75 हफ्ते में 75 वंदेभारत रेलगाड़ी चलाने की घोषणा की। साल 2047 तक ऊर्जा के क्षेत्र में पूरी तरह आत्मनिर्भर होने के लिए नेशनल ग्रीन हाईड्रो प्रोजेक्ट और सैनिक स्कूलों में छात्राओं के दाखिले की घोषणा की। उसी संबोधन में हर 14 अगस्त को ह्यविभाजन विभीषिका दिवसह्ल मनाए जाने की घोषणा की। उसी संबोधन में ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासह्ल नारे की घोषणा और टोक्यो ओलंपिक मिशन की घोषणा की। साल 2022 के संबोधन में प्रधानमंत्री ने अन्य घोषणाओं के अलावा ह्यपंच प्रणह्ल की घोषणा की। इसे विकसित भारत के लिए, गुलामी के हर अंश को मिटाने के लिए, अपनी विरासत पर गर्व करने, एकता, एकजुटता और नागरिकों के कर्तव्य पर के प्रयास करने पर केन्द्रित किया। साल 2023 के संबोधन में पारंपरिक कारीगरी को आर्थिक प्रोत्साहन देने के लिए विश्वकर्मा योजना और आर्थिक रूप से कमजोर दो करोड़ महिलाओं के लिए लखपति दीदी योजना शुरू करने की घोषणा की। इतना ही नहीं, मध्यम वर्गीय परिवारों को कर्ज से राहत देने की घोषणा की।

वृंदावन का रहस्यमयी

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण की लीलाभूमि ब्रज अत्यंत अलौकिक और रहस्यमयी माने जाते हैं। असल में वृंदावन के 12 मुख्य वनों में शामिल भांडीरवन एक ऐसा ही परम पवित्र स्थल है, जो श्री राधा-कृष्ण के अनोखे और दिव्य विवाह का साक्षी बना है। यहां के लोकल लोगों का मानना है कि राधा-कृष्ण का सांसारिक विवाह नहीं हुआ था, हालांकि शास्त्रों और ब्रज की प्राचीन मान्यताओं के अनुसार, स्वयं जगत्पिता ब्रह्मा जी ने भांडीरवन में आचार्य बनकर दोनों का विवाह संपन्न करवाया था। वैसे यह पावन स्थल आज भी भक्ति, प्रेम और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत केंद्र है, जहां कदम रखते ही आलौकिक शांति का अनुभव प्राप्त होता है। आइए आपको बताते हैं भांडीरवन के पौराणिक इतिहास, इसकी रहस्यमयी कथा और अन्य महत्वपूर्ण बातें।

क्या कहती है भांडीरवन से जुड़ी कथा?

पौराणिक कथा के अनुसार, एक समय नंदबाबा रूपी श्रीकृष्ण को गोद में लेकर भांडीरवन से गुजर रहे थे। उसी दौरान भगवान की इच्छा से अचानक भयंकर आंधी-तूफान आ गया। नंदबाबा घबरा गए और कृष्ण को सुरक्षित रखने के लिए एक विशाल वटवृक्ष के नीचे खड़े हो गए। इसी दौरान वहां श्री राधारानी का प्राकट्य हुआ। नंदबाबा दोनों को दिव्य स्वरुप से भली-भांति परिचित थे, उन्होंने बाल-कृष्ण को राधा जी की गोद में सौंप दिया और प्रणाम कर वहां से चले गए।

जब नंदबाबा यहां से चले गए तो आंधी थम गई और श्रीकृष्ण ने अपना पूर्ण पुरुषोत्तम रुप धारण कर लिया है। फिर बाद में भगवान की योगमाया शक्ति से वहां ब्रह्मा जी प्रकट हुए। ब्रह्मा जी ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ श्री राधा और कृष्ण का विवाह संस्कार संपन्न करवाया।

भांडीरवन की मुख्य विशेषताएं

राधा-कृष्ण मुख्य मंदिर

- विवाह स्थल मंदिर- आपको बता दें कि, भांडीरवन के मुख्य मंदिर में एक विशाल पेड़ के नीचे श्री राधा-कृष्ण की मूर्तियां हैं, जहां वे एक-दूसरे को वरमाना पहना रहे हैं और ब्रह्मा जी विवाह की रस्में पूरी करा रहे हैं।
- बलराम जी का मंदिर- यहां पर विवाह स्थल के पास ही बलराम जी का मंदिर स्थित है। यह वह स्थान है, जहां बलराम जी ने कंस द्वारा भेजे गए दैत्य प्रलंबसुर का वध किया था।

भांडीरवन का गोपनीय रहस्य

- एक कल्प भजन का पुण्य- श्रीमद्भागवत के मुताबिक, भांडीरवन में 1 घंटा बिताना 1 कल्प (करीब 4.32 अरब वर्ष) तक लगातार भजन-कीर्तन करने के समान फलदायी मानी गई है।
- राधारानी की अनुकंपा- धार्मिक मान्यता है कि यहां वहीं श्रद्धालु आते हैं, जिन्हें राधारानी बुलाती हैं।

पास में स्थित वंशीवट का अद्भुत रहस्य

भांडीरवन से करीब 600 मीटर की दूरी पर स्थित वंशीवट अत्यंत रमणीक स्थान है। धार्मिक मान्यता है कि इस स्थान पर श्री कृष्ण अपने ग्वाल-बालों के साथ बैठकर भोजन किया करते थे और अपनी मधुर वंशी बजाकर राधारानी व गोपियों को बुलाते थे। यहां भी एक खास वृक्ष हैं, धार्मिक मान्यता है कि यदि कोई सच्चा साधक अपने कान इस पेड़ के तने पर लगाए, तो उसे आज भी रासलीला के मृंदग की मधुर ध्वनि सुनाई देती है।

कैसे पहुंचे भांडीरवन?

- टैक्सी या पर्सनल वाहन- वृंदावन से हाईवे मार्ग से यह करीब 21 किमी की दूरी पर है, जहां कैब या अपनी गाड़ी से आसानी से पहुंचा जा सकता

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

उधवा में नवपदस्थापित सीडीपीओ भारती ने संभाला कार्यभार

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड स्थित बाल विकास परियोजना कार्यालय में शुक्रवार को नवपदस्थापित सीडीपीओ भारती ने विधिवत पदभार ग्रहण किया। प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रभारी सीडीपीओ जयंत कुमार तिवारी ने उन्हें विभाग का कार्यभार सौंपते हुए सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। कार्यभार संभालने के बाद सीडीपीओ भारती ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी एवं महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र लाभुक तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से संचालित पोषण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा महिला एवं बाल विकास से जुड़ी योजनाओं की नियमित समीक्षा की जाएगी, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी सुविधाओं से वंचित न रह जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि लाभुकों की समस्याओं का त्वरित समाधान, योजनाओं की सतत निगरानी तथा सेवा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी के सहयोग से विभाग की योजनाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारा जाएगा। मौके पर प्रभारी प्रखंड राज पदाधिकारी संतोष कुमार सुमन, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक हारून रशीद, प्रधान सहायक अरुण कुमार गुप्ता, अंचल लिपिक मो. सेराजुल हक, जनसेवक अब्दुस सलाम, चौकीदार मम्पी कुमारी, पूजा कुमारी, सौरभ घोष सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

मुंबई में उधवा के प्रवासी मजदूर की मौत गांव में पसरा मातम

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के पूर्वी उधवा दियारा पंचायत के नूर हाजी टोला के एक प्रवासी मजदूर की मुंबई में अचानक मौत हो गई। मृतक की पहचान करीम शेख (52 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं गांव में भी मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार करीम शेख करीब दो महीने पहले परिवार के भरण-पोषण के लिए रोजगार की तलाश में मुंबई गए थे। वहां वे नारियल पानी बेचकर अपने परिवार का जीवन-यापन चला रहे थे। गुरुवार को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। साथियों ने उन्हें मुंबई के अंधेरी स्थित कूपर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों के प्रयास के बावजूद इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।घटना की खबर जैसे ही गांव पहुंची, परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पत्नी, बच्चों और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि करीम शेख मेहनती और मिलनसार स्वभाव के व्यक्ति थे तथा परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी उनके कंधों पर थी। स्थानीय लोगों के अनुसार मृतक के शव को हवाई मार्ग से पहले कोलकाता लाया जाएगा, जिसके बाद एंबुलेंस के जरिए उनके पैतृक गांव नूर हाजी टोला पहुंचाया जाएगा। शव के गांव पहुंचने के बाद अंतिम संस्कार किया जाएगा।

वन महोत्सव-2026 का शुभारंभ, साहिबगंज वन प्रमंडल के दो वनकर्मी हुए सम्मानित

साहिबगंज : रांची के ताना भगत इंडोर स्टेडियम,में आयोजित 77वें राज्यव्यापी वन महोत्सव-2026 का शुभारंभ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पौधारोपण कर किया।इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण,जैव विविधता के संवर्धन तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिकाधिक वृक्षारोपण एवं उनके संरक्षण का आह्वान किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि वन महोत्सव केवल वृक्षारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी और संकल्प का प्रतीक है।उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों का सामना कर रही है।ऐसे समय में विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।उन्होंने लोगों से महुआ, कटहल,जामुन,करंज सहित स्थानीय एवं फलदार पौधों का रोपण कर उन्हें संरक्षित करने की अपील की।कार्यक्रम के दौरान वन संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले राज्य के वनकर्मियों को सम्मानित किया गया।इसी क्रम में साहिबगंज वन प्रमंडल के राजीव रंजन प्रसाद को लघु वन उत्पाद के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए तथा श्री लक्ष्मण मुर्मू को जीवाश्म फॉसील संरक्षण एवं जन-जागरूकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।वन महोत्सव के माध्यम से राज्य में हरित आवरण बढ़ाने,जैव विविधता के संरक्षण तथा जनभागीदारी को सशक्त बनाने का संदेश दिया गया।समारोह में राज्यभर से वन विभाग के अधिकारी,कर्मचारी एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

क्रशर प्लांट में चोरी करते दो आरोपी गिरफ्तार तीसरे की तलाश जारी

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के महादेवगंज स्थित एक क्रशर प्लांट में चोरी के आरोप में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामले में थाना कांड संख्या 142/26 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि महादेवगंज स्थित छोटू यादव के क्रशर प्लांट में चोरी की घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मिजाचौकी थाना क्षेत्र के तेतरिया निवासी अरमान बैठा एवं परवेज अंसारी को गिरफ्तार किया।

घर में चोरी करने घुसे चोर ने महिला पर किया जानलेवा हमला सिर में लगे 6 टांके

जिरवाबाड़ी थाना में शिकायत दर्ज आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से किया चोरी की घटना पर लगे विराम की मांग

संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के मजहर टोला स्थित इकरा कॉलोनी उर्दू प्राथमिक विद्यालय के समीप गुरुवार देर रात चोरी की नीयत से घर में घुसे चोर ने महिला पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई ।जिसके सिर में 18 टांके लगे हैं घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है पीड़ित परिवार ने जिरवाबाड़ी थाना में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है

जानकारी के अनुसार, मोहम्मद नाजीर अपने घर की ऊपरी मंजिल पर सो रहे थे, जबकि उनकी पत्नी निशा परवीन नीचे के कमरे में सोई थीं। देर रात एक चोर गली की ओर से घर की छत पर चढ़कर सीढ़ी के रास्ते नीचे पहुंचा और घर में चोरी करने के उद्देश्य से सामान खंगालने लगा। इसी दौरान निशा परवीन की नींद खुल गई। महिला के जाग जाने पर चोर ने घर में रखे लकड़ी काटने वाले दबिया को उठाकर उनके सिर पर जोरदार वार कर दिया।अचानक हुए हमले से निशा परवीन लहूलुहान होकर गिर पड़ीं। उनकी चीख-पुकार सुनकर परिवार के लोग जाग गए। तब तक चोर छत के रास्ते कूदकर फरार हो गया। घायल महिला को तत्काल सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनके सिर में 6 टांके लगाए मोहम्मद नाजीर ने बताया कि घटना में एक चोर घर के अंदर घुसा था जबकि दो अन्य लोग बाहर निगरानी कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पत्नी की हत्या की नीयत से हमला किया गया है। घटना की लिखित शिकायत जिरवाबाड़ी थाना में दी गई है।

इधर, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि निशा परवीन के आवेदन के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों की जानकारी जुटाई जा रही है आरोपियों की पहचान कर शीघ्र गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है।इस घटना के बाद पूरे मोहल्ले में भय और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं और अब चोर विरोध करने वालों पर जानलेवा हमला करने से भी नहीं हिचक रहे हैं। लोगों ने पुलिस से गश्त बढ़ाने और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

गुमानी स्टेशन पर इंटरसिटी एक्सप्रेस के ठहराव की मांग तेज

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : गुमानी रेलवे स्टेशन पर मालदाझहावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस के स्थायी ठहराव की वर्षों पुरानी मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है।इस संबंध में नव झारखंड जनएकता संगठन ने मंडल रेल प्रबंधक डीआरएम,हावड़ा मंडल को ज्ञापन सौंपकर जनहित में शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है।संगठन के अध्यक्ष फारोग अहसान की ओर से दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि गुमानी एवं आसपास का क्षेत्र घनी आबादी वाला है,जहां हजारों छात्र-छात्राएं, व्यापारी, किसान, मरीज और नौकरीपेशा लोग प्रतिदिन रेल सेवा पर निर्भर रहते हैं।इसके बावजूद मालदा-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस का गुमानी स्टेशन पर ठहराव नहीं होने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि यह कोई नई मांग नहीं है।इससे पहले भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों व्यापारिक संगठनों तथा ग्रामीणों द्वारा कई बार रेलवे प्रशासन को ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं।वर्ष 2023-24 में भी इस मांग को लेकर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन और लोकतांत्रिक आंदोलन किए गए थे।लेकिन अब तक रेलवे प्रशासन की ओर से कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया।संगठन का कहना है कि गुमानी स्टेशन का महत्व लगातार बढ़ रहा है।यह स्टेशन साहिबगंज और पाकुड़ जिले के हजारों यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करता है शिक्षा चिकित्सा व्यवसाय और रोजगार के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग मालदा और हावड़ा की यात्रा करते हैं।ऐसे में इंटरसिटी एक्सप्रेस का यहां ठहराव न होना आम यात्रियों के लिए गंभीर असुविधा का कारण बना हुआ है।ज्ञापन के माध्यम से रेलवे प्रशासन से मांग की गई है कि जनहित और जनसुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मालदा-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस का गुमानी स्टेशन पर स्थायी ठहराव जल्द सुनिश्चित किया जाए।संगठन ने चेतावनी भी दी है।कि यदि लंबे समय से लंबित इस मांग की फिर अनदेखी की गई तो क्षेत्र की जनता के साथ मिलकर चरणबद्ध जनआंदोलन शुरू किया जाएगा।इसके तहत लोकतांत्रिक तरीके से धरना-प्रदर्शन,रेल रोको और आवश्यकता पड़ने पर रेल चक्का जाम जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जा सकते हैं,जिसकी पूरी जिम्मेदारी रेलवे प्रशासन की होगी।ज्ञापन की प्रतिलिपि महाप्रबंधक,पूर्व रेलवे कोलकाता वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक,वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक हावड़ा मंडल और रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी,नई दिल्ली को भी भेजी गई है।

आदिवासी दिवस को लेकर तैयारी पर चर्चा

संवाददाता

साहिबगंज/बरहेट : झामुमो प्रखंड कार्यालय बरहेट में प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी के अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई।बैठक में आगामी 9अगस्त को आदिवासी दिवस को लेकर तैयारी पर चर्चा की गई।श्री मरांडी ने बताया कि हाईस्कूल स्थित ऑडिटोरियम हॉल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।सर्वप्रथम हाईस्कूल मैदान से पैदल मार्च करते हुए सिदो-कान्हू चौक बरहेट में सिदो-कान्हू के प्रतिमा में माल्यार्पण किया जाएगा।इसके उपरांत हाईस्कूल के ऑडिटोरियम हॉल में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुभारंभ की जाएगी।मौके पर प्रखंड सचिव मुजीबुर रहमान, पुसा टुडू, सुनीराम हांसदा, समदा सोरेन, विनय सोरेन, सामयल मुर्मू,सुरय हांसदा, सुनील मरांडी,पालटन मरांडी, सोम हेंब्रम,मरांग हेंब्रम, शिव किस्कू, सावना टुडू,सहित अन्य मौजूद थे।

फुटानी बाजार में भीषण अग्निकांड दो किराना दुकानें जलकर राख

रात में लगी आग से लाखों की संपत्ति स्वाहा, पीड़ितों ने प्रशासन से लगाई मुआवजे की गुहार

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के उत्तर बेगमगंज पंचायत अंतर्गत फुटानी बाजार में गुरुवार देर रात भीषण अग्निकांड में दो किराना दुकानें जलकर पूरी तरह राख हो गईं। आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते दोनों दुकानों में रखा लाखों रुपये मूल्य का सामान धू-धू कर जल गया। घटना से बाजार में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन तब तक आग विकराल रूप धारण कर चुकी थी। पीड़ित दुकानदार दिपेन मंडल ने बताया कि गुरुवार की रात करीब 12:30 बजे उन्हें सूचना मिली कि फुटानी बाजार स्थित उनकी किराना दुकान में अचानक आग लग गई है। सूचना मिलते ही वे घटनास्थल पहुंचे, लेकिन तब तक उनकी दुकान के साथ-साथ उनके भाई भूपेंद्र मंडल की किराना दुकान भी आग की चपेट में आ चुकी थी। दोनों दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गईं।अग्निकांड में दुकानों में रखी दैनिक उपयोग की खाद्य सामग्री एवं अन्य व्यापारिक सामान पूरी तरह नष्ट हो गए। आग में आटा, चावल, दाल, मैदा, सरसों तेल, वनस्पति तेल, चीनी, सर्फ, साबुन, एक फ्रिज, पंखा, नायलॉन रस्सी, मछली पकड़ने का जाल, सूता सहित बड़ी मात्रा में अन्य सामान जलकर राख हो गया। पीड़ित के अनुसार इस घटना में करीब छह से सात लाख रुपये की आर्थिक क्षति हुई है।दिपेन मंडल ने बताया कि आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। शॉर्ट सर्किट, चिंगारी अथवा अन्य किसी कारण से आग लगी, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। उन्होंने मामले की सूचना राधानगर थाना को देते हुए सनहा दर्ज कराया है तथा घटना की जांच कराने की मांग की है। घटना के बाद पीड़ित परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। वर्षों की मेहनत से खड़ा किया गया कारोबार कुछ ही देर में राख में तब्दील हो गया। पीड़ितों ने प्रशासन से उचित मुआवजा एवं सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

विधायक ने मंत्री दीपक बिरुआ से की मुलाकात समस्याओं से कराया अवगत

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक निसात आलम ने शुक्रवार को झारखंड सरकार में राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के कैबिनेट मंत्री दीपक बिरुआ से मुलाकात कर साहिबगंज जिले के बरहरवा अंचल क्षेत्र में अपील मोटेशन में हो रही तकनीकी समस्या को अवगत कराया। जानकारी के अनुसार बरहरवा अंचल में अपील मोटेशन लगभग 200 के आसपास पेंडिंग है।मोटेशन नहीं होने की जानकारी स्थानीय ग्रामीणों के माध्यम से विधायक को प्राप्त हुई जिस पर विधायक ने अंचलाधिकारी और कर्मचारियों से बात किया तो जानकारी हुआ कि झारखंड सरकार के द्वारा जारी किया गया। अंचलाधिकारी के ऑनलाइन लोगिन में अपील मोशन में शुद्धि पत्र जो मोटेशन के बाद जारी होता है उस पत्र में क्रेता एवं विक्रेता का ऑप्शन नहीं आ रहा है।जिस कारण जमीन खरीद बिक्री करने वाले

का नाम स्पष्ट नहीं हो पा रहा है इस कारण बरहरवा आंचल में पिछले 3 महीना से अपील मोटेशन लंबित पड़ा हुआ है हालांकि रेगुलर मोशन हो रहा है लेकिन अपील मोटेशन में अंचलाधिकारी के लोगिंन की समस्या के कारण कई लोगों के मोटेशन नहीं हो रहे हैं,जिसके कारण लोगों का जरूरी काम भी नहीं हो पा रहा है पूरे मामले को लेकर विधायक निसात आलम ने कहा कि विभागीय मंत्री ने संबंधित विभाग के सचिव को तुरंत निर्देश दिया कि इस समस्या को तुरंत समाधान करें ताकि यहां के लोगों को मोटेशन में समस्या ना हो विधायक ने बताया कि मंत्री के आश्वासन के बाद विभागीय सचिव को निर्देश दिया गया है की समस्या का समाधान जल्द से कराये।उम्मीद है कि समस्या का समाधान ससमय कर लिया जाना चाहिए।

गंगा किनारे कथित नशीले पदार्थों के कारोबार पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के पूर्वी प्राणपुर पंचायत में कथित रूप से नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री और सेवन को लेकर शुक्रवार को जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने विरोध जताया। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस अवैध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई करते हुए अंकुश लगाने की मांग की है। मुखिया अताउर रहमान, वार्ड सदस्य कलीमुद्दीन शेख, हफीजुर शेख, रफीक शेख, रोबिउल शेख, हमीदुल शेख ने बताया कि पूर्वी प्राणपुर पंचायत के गंगा तट के आसपास देर रात कथित रूप से एमडीएमए समेत अन्य नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री और सेवन की गतिविधियां संचालित होती हैं। इस नशे की चपेट में केवल युवा ही नहीं बल्कि कुछ बुजुर्ग भी आ रहे हैं, जिससे कई परिवारों का सामाजिक और आर्थिक संतुलन बिगड़ता जा रहा है। बताया कि नशे की बढ़ती लत के कारण कई परिवार गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। आगे बताया कि एमडीएमए का पांच ग्राम का एक पाउच करीब 15 हजार रुपये में बेचा जाता है। उनका कहना है कि नशा करने वाले कई लोग इसे रजनीगंधा गुटखा में मिलाकर सेवन करते हैं, जिससे इसकी लत और भी तेजी से लोगों को अपनी गिरफ्त में ले रही है। कई लोग अपनी मेहनत की कमाई नशे में खर्च कर रहे हैं, जबकि कुछ लोगों ने घर की कीमती वस्तुएं तक बेच

दी हैं। इसके कारण परिवारों में आर्थिक संकट, तनाव और घरेलू विवाद लगातार बढ़ रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि समझाने-बुझाने के बावजूद नशे के आदी लोग अपनी आदत छोड़ने को तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि यह नशा लोगों की जिंदगी को दीमक की तरह खोखला कर रहा है। कई परिवार बबार्दी के कगार पर पहुंच चुके हैं और क्षेत्र का सामाजिक माहौल भी प्रभावित हो रहा है। नशे की लत के कारण कई लोगों की असामयिक मौत होने की भी चर्चा है। राधानगर पुलिस द्वारा पूर्व में नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान चलाकर कई आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। इसके बावजूद कथित रूप से अवैध कारोबार पूरी तरह बंद नहीं हो सका है। वही ग्रामीणों ने क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाने की मांग की है।

मॉन्ट्रियल मास्टर्स : बेन शेल्टन चौथे दौर में पहुंचे, ग्रिक्सपूर ने अरनाल्डी को हराया

मॉन्ट्रियल : अमेरिका के पांचवीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बेल्जियम के जिजो बर्ग्स को सीधे सेटों में हराकर मॉन्ट्रियल मास्टर्स 2026 के चौथे दौर में प्रवेश कर लिया। शेल्टन ने शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में बर्ग्स को 6-3, 6-2 से शिकस्त दी। 23 वर्षीय शेल्टन ने मुकाबले में आठ ऐस लगाए और दूसरे सेट में तीन बार बिना कोई अंक गंवाए गेम जीते। उन्होंने महज 65 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। टूनार्मेंट में पांचवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन अब बचे हुए खिलाड़ियों में सबसे ऊंची रैंकिंग वाले खिलाड़ी हैं। शेल्टन ने कहा, ह्लमेरे लिए यह अच्छा दिन था। मैंने मैच को अच्छी तरह संभाला। उन्होंने शुरूआत में बेहद अच्छी सर्विस की, इसलिए मुझे कुछ बदलाव करने पड़े। मैंने उनकी सर्विस तोड़ने का तरीका ढूंढ लिया और बढ़त मिलने के बाद दबाव बनाए रखा। क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए शेल्टन का सामना ब्राजील के युवा खिलाड़ी जोआओ फोंसेका से होगा। फोंसेका ने नौवीं वरीयता प्राप्त नॉर्वे के कैस्पर रूड को 7-6 (8/6), 6-3 से हराया।

ग्रिक्सपूर ने अरनाल्डी को किया बाहर

इस बीच, नीदरलैंड के टैलोन ग्रिक्सपूर ने इटली के माटेओ अरनाल्डी को तीन सेटों के संघर्ष में 3-6, 6-4, 6-3 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। ग्रिक्सपूर ने इससे पहले शीर्ष वरीयता प्राप्त और फ्रेंच ओपन चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। अरनाल्डी ने शुरूआती सेट में दबदबा बनाया, लेकिन ग्रिक्सपूर ने स्वीडिश कोच थॉमस हॉगस्टेड की सलाह के बाद मुकाबले में वापसी की। विश्व रैंकिंग में 66वें स्थान पर काबिज ग्रिक्सपूर ने निर्णायक सेट में दो बार अरनाल्डी की सर्विस तोड़ी। हालांकि उन्होंने एक ब्रेक गंवा दिया, लेकिन तुरंत वापसी करते हुए तीसरे मैच प्वाइंट पर जीत दर्ज की। मुकाबला दो घंटे से अधिक चला। ग्रिक्सपूर ने कहा, ह्लटेनिस बहुत मुश्किल खेल है। जब तक आखिरी गेंद नहीं खेली जाती, तब तक मुकाबला खत्म नहीं होता। मैंने अपना ध्यान बनाए रखने की कोशिश की और जिस तरह से मैंने मैच संभाला, उससे खुश हूं।

उन्होंने कहा, ह्लअभ्यास में मेरा स्तर अच्छा रहा है, लेकिन मैं उसे मैच में नहीं बदल पा रहा था। आज आसान नहीं था, लेकिन ऐसी जीत के बाद खुशी है। मैं अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर से काफी दूर था, फिर भी मैच में खुद को बनाए रखा और जीत हासिल की। अब ग्रिक्सपूर का सामना क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए स्पेन के डेनियल मेरिडा से होगा।

रूटीन

संदीपा धर ने शेयर किया लेग-डे वॉर्म-अप रूटीन

मुंबई फिटनेस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए मशहूर अभिनेत्री संदीपा धर ने हाल ही में अपने फैंस को लेग-डे वर्कआउट की तैयारी की एक झलक दिखाई है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें उन्होंने अपने लेग-डे से पहले अपनाई जाने वाली एक प्रभावी वॉर्म-अप टेक्निक दिखाई है, जो उनके वर्कआउट रूटीन का अहम हिस्सा है।

गौरतलब है कि लेग-डे वर्कआउट में ताकत, लचीलापन और सहनशक्ति की जरूरत होती है। ऐसे में सही वॉर्म-अप मसल्स को एक्टिव करने और शरीर को कठिन एक्सरसाइज के लिए तैयार करने में मदद करता है। संदीपा का यह फिटनेस-फर्स्ट् अप्रोच उनकी अनुशासित और नियमित लाइफस्टाइल को दर्शाता है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो संदीपा धर जल्द ही नेटफ्लिक्स की ओरिजिनल सीरीज़ 'चुंबक' में नजर आनेवाली हैं। इस एंसेम्बल कॉमेडी सीरीज़ में उनके साथ नीना गुप्ता, अर्जुन बिजलानी, सुमीत व्यास, हेली शाह और कई अन्य कलाकार दिखाई देंगे। मुंबई के बैकग्राउंड पर आधारित यह सीरीज़ 28 अगस्त 2026 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

झारखंड छात्रों के समर्थन में उतरी सोनाक्षी सिन्हा, कहा-

यह सब कब रुकेगा

भारत में पिछले कई सालों से राज्यों में सरकारी पेपर को लेकर चल रही धांधली को उजागर करने के लिए छात्र अब सड़क उतर आए हैं। दिल्ली से शुरु हुई छात्र प्रोटेस्ट की लहर झारखंड में भी देखने को मिल रहा है। अब इस मुद्दे पर अभिनेत्री सोनाक्षी ने रिएक्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो जारी कर एक नोट लिखा। अभिनेत्री ने इस पोस्ट के जरिए छात्रों के साथ हो रहे अन्याय पर आवाज उठाई। उन्होंने लिखा, 'हमारे देश के छात्रों को ऐसी स्थिति से गुजरते हुए देखना बहुत दुखद है। यह सब कब रुकेगा??? ' बता दें कि झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित धांधली और पेपर लीक के खिलाफ छात्र रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं। छात्र मुख्य रूप से 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने और पूरे मामले की सीबीआई व ईडी से जांच कराने की मांग कर रहे हैं। बता दें कि जेपीएससी-जेएसएससी विवाद को लेकर स्टूडेंट्स का यह प्रोटेस्ट जब शुरू हुआ था तो शुरुआत में राज्य के अलग-अलग जिलों में प्रदर्शन हो रहे थे, लेकिन 29 जुलाई को विरोध प्रदर्शन एक बड़े आंदोलन में बदल गया, जब ऑर्गनाइजर ने 'महा आंदोलन' और संविधान मार्च का आह्वान किया और हर जिले से उम्मीदवारों से राज्य की राजधानी रांची में इकट्ठा होने की अपील की। इस अपील का असर देखने को मिला और लगभग 5,000 स्टूडेंट्स रांची पहुंच गए और शांति मार्च में हिस्सा लिया। हालांकि, पेपर धांधली मामले अब एक-एक करके सामने निकलकर आ रहे हैं। अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की बात करें, तो वे हाल ही में फिल्म सिस्टम में नजर आई थी। यह एक कोर्ट रूम ड्रामा फिल्म है, जिसमें सोनाक्षी सिन्हा ने नेहा राजवंश नाम की एक महत्वाकांक्षी सरकारी वकील का किरदार निभाया है। इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा, ज्योतिका और आशुतोष गोवारिकर मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा, फिल्म में प्रीति अग्रवाल, आदिनाथ कोठारे, आश्रिया मिश्रा, गौरव पांडे और सयानदीप गुप्ता भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

शादी के 11 साल बाद रिश्ते में आई दरार

पति से तलाक लेंगी अमृता खानविलकर?

टीवी इंडस्ट्री के सबसे पॉपुलर कपल अमृता खानविलकर और हिमांशु मल्होत्रा अपनी शानदार बॉन्डिंग की वजह से हमेशा फैंस के बीच लोकप्रिय रहे हैं। दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया।

टीवी इंडस्ट्री के सबसे पॉपुलर कपल अमृता खानविलकर और हिमांशु मल्होत्रा अपनी शानदार बॉन्डिंग की वजह से हमेशा फैंस के बीच लोकप्रिय रहे हैं। दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स और खबरों के मुताबिक दोनों करीब 18 महीनो से अलग रह रहे हैं। फिलहाल, दोनों ने अपने रिश्ते, अलगाव या तलाक की खबरों पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है और न ही इन अटकलों की पुष्टि हुई है।

डेढ़ साल से अलग रह रहे अमृता और हिमांशु

आपको बता दें कि कपल अमृता और हिमांशु पिछले करीब डेढ़ साल से अलग-अलग घरों में रह रहे हैं। हालांकि, इस दूरी को उनके रिश्ते के अंत के तौर पर नहीं देखा जा रहा है। रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से बताया गया कि दोनों के बीच अब भी अच्छे संबंध हैं और उनके रिश्ते में किसी तरह की कड़वाहट नहीं है। सूत्र का कहना है कि अलग रहने के बावजूद दोनों ने न तो तलाक लेने के फैसला किया है और न ही आधिकारिक तौर पर अलग होने की कोई प्रक्रिया शुरू की है।

इसलिए फ़िलहाल उनके तलाक या सेपरेशन की खबरों की पुष्टि नहीं हुई है। पिछले काफी समय से दोनों के रिश्ते को लेकर बहुत सी बातें उड़ रही थीं। ऐसा इस वजह से क्योंकि दोनों ने सोशल मीडिया पर एक-साथ पोस्ट करना बंद कर दिया था। लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं है, दोनों ने इस बात को लेकर बोल दिया था कि ऐसा कुछ भी नहीं है। उन्होंने बोला कि हम अभी भी शादीशुदा हैं। इसके अलावा हम अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर कुछ भी नहीं बोलना चाहते हैं।

अश्लील मजाक...

मंजूर नहीं

तृषा पर उदयनिधि की टिप्पणी पर कंगना का रिएक्शन

कंगना रनौत ने क्या कहा?

कंगना रनौत अपनी बेबाकी के लिए मशहूर हैं। तमाम मुद्दों पर वे खुलकर अपनी राय रखती हैं। उन्होंने उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणी पर भी सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी है। उदयनिधि स्टालिन की अभद्र टिप्पणी के बाद उनके खिलाफ पुलिस के एक्शन की कंगना रनौत ने तारीफ की है। उन्होंने कहा कि इस तरह के अश्लील जोक्स स्वीकार्य नहीं किए जा सकते हैं।

तमिलनाडु में कावेरी जल विवाद पर आयोजित रैली के दौरान उदयनिधि स्टालिन की अभिनेत्री तृषा पर की गई विवादित टिप्पणी ने विवाद खड़ा कर दिया है। इस टिप्पणी के वायरल होने के बाद मंगलवार को पुलिस ने उनके आवास से द्रमुक नेता और तमिलनाडु विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि को हिरासत में ले लिया। इस पर कंगना रनौत ने भी प्रतिक्रिया दी है।

कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने स्टालिन की गिरफ्तारी वाली खबर साझा करते हुए लिखा है, 'गंदी गालियां देना और द्विअर्थी, अश्लील व भद्दे मजाक करना किसी भी सभ्य समाज को मंजूर नहीं है। इस अपराध के लिए मिस्टर स्टालिन को जेल भेजा गया। हो सकता है कि वे अब जमानत पर बाहर हों, लेकिन यह एक अच्छी मिसाल है'। तृषा कृष्णन पर की गई कथित टिप्पणी के मामले में मंगलवार को स्टालिन को गिरफ्तार कर लिया गया। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके द्वारा पुलिस और राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) में शिकायत दर्ज कराने के बाद की गई। टीवीके की तंजावुर केंद्रीय जिला महिला विंग की संयोजक एस. बैरवी ने तंजावुर पूर्व पुलिस थाने में उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

1 लाख रुपए लेने के दावे पर भड़कीं उर्फी जावेद

इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी को लेकर कहा- इसने मुझे ट्रांसजेंडर कहा था

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके के खिलाफ दिल्ली पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने दावा किया कि दीपके से जुड़े लोगों ने उन पर हमला किया था। वहीं, उन्होंने उर्फी जावेद पर 1 लाख रुपए और पूनम पांडे पर 20 हजार रुपए लेने का भी आरोप लगाया।

बातचीत में फैजान अंसारी ने कहा, 'अभिजीत दीपके के अगेंस्ट आज मैंने दिल्ली डीसीपी को लिखित शिकायत दर्ज कराई है, क्योंकि मेरे ऊपर अभिजीत दीपके के लोगों ने हमला किया था। पुणे में मेरे ऊपर अटैक हुआ, औरंगाबाद में मेरे ऊपर अटैक हुआ। पहले से ही दो केस उसके खिलाफ फाइल हैं।'

'गजनी' का खूंखार विलेन अब नहीं रहा

ब्लड कैंसर से अभिनेता प्रदीप रावत का निधन

'गजनी' और 'लगान' जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों के दिलों पर राज करने वाले अभिनेता प्रदीप रावत का ब्लड कैंसर से निधन हो गया. फिल्म इंडस्ट्री और फैंस उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दे रहे हैं. हिंदी और दक्षिण भारतीय फिल्मों के दमदार अभिनेता प्रदीप रावत का निधन हो गया. वह लंबे समय से ब्लड कैंसर से जूझ रहे थे. उनके निधन की खबर सामने आते ही फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई. अभिनेता सोनू सूद ने कन्फर्म करते हुए बताया कि वो एक लंबे समय से बीमारी से ग्रस्त थे. सोनू समेत कई फिल्मी सितारों ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए गहरा दुख जताया. सोशल मीडिया पर भी फैंस उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दे रहे हैं और उनके यादगार किरदारों को याद कर रहे हैं. प्रदीप रावत ने अपने अभिनय करियर में कई ऐसे किरदार निभाए, जिन्होंने उन्हें भारतीय सिनेमा के सबसे प्रभावशाली विलेन में शामिल कर दिया. आमिर खान की फिल्म 'सरफरोश' में सुल्तान, 'लगान' में देवा सिंह और 'गजनी' में रामा के किरदार ने उन्हें घर-घर पहचान दिलाई. उनकी दमदार आवाज, प्रभावशाली व्यक्तित्व और सशक्त अभिनय ने हर किरदार को अलग पहचान दी. सिर्फ हिंदी ही नहीं, प्रदीप रावत ने तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और भोजपुरी फिल्मों में भी अपनी अभिनय क्षमता का लोहा मनवाया. हर भाषा के दर्शकों ने उन्हें एक ऐसे कलाकार के रूप में स्वीकार किया, जो पर्दे पर आते ही अपने किरदार में पूरी तरह ढल जाते थे.

दो बच्चों की मां, 10 साल का ब्रेक...

फिर जेनेलिया ने ऐसे की ब्लॉकबस्टर वापसी

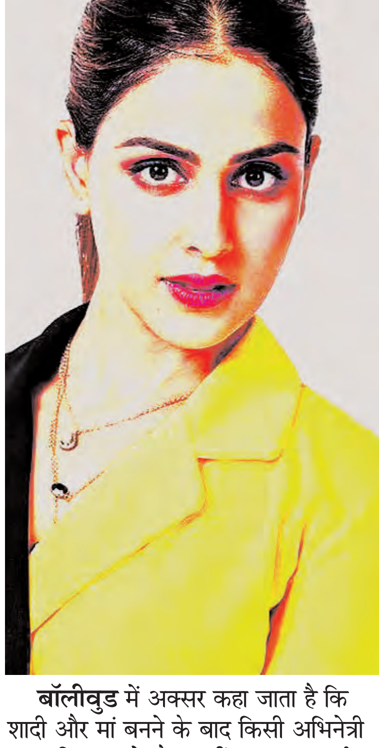

बॉलीवुड में अक्सर कहा जाता है कि शादी और मां बनने के बाद किसी अभिनेत्री का करियर पहले जैसा नहीं रह जाता। कई अभिनेत्रियां इस धारणा की वजह से लंबे समय तक पर्दे से दूर रहती हैं या फिर वापसी नहीं कर पातीं। लेकिन जेनेलिया डिसूजा उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिन्होंने इस सोच को गलत साबित किया। दो बच्चों की मां बनने के बाद करीब 10 साल तक फिल्मों से दूरी बनाई और फिर ऐसी वापसी की कि हर कोई उनकी तारीफ करने लगा। 5 अगस्त 1987 को मुंबई में जन्मीं जेनेलिया डिसूजा का फिल्मी सफर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है।

महज 15 साल की उम्र में उन्हें अमिताभ बच्चन के साथ पार्कर पेन के एक विज्ञापन में काम करने का मौका मिला। दिलचस्प बात यह है कि उस समय उनकी परीक्षाएं चल रही थीं और उन्होंने पहले इस विज्ञापन के लिए मना कर दिया था, लेकिन निर्देशक के समझाने पर उन्होंने शूटिंग की और यही विज्ञापन उनकी जिंदगी का टर्निंग पॉइंट बन गया। इसके बाद साल 2003 में फिल्म 'तुझे मेरी कसम' से उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा। इसी फिल्म में उनके साथ रितेश देशमुख भी थे। दोनों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आई और यहीं से उनकी दोस्ती शुरू हुई, जो आगे चलकर प्यार में बदल गई। हालांकि बॉलीवुड में शुरुआत करने के बाद जेनेलिया ने सिर्फ हिंदी फिल्मों तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम फिल्मों में भी शानदार काम किया। फिल्म 'बोमरिलू' ने उन्हें साउथ सिनेमा की बड़ी स्टार बना दिया। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला। वहीं हिंदी दर्शकों के बीच उन्हें सबसे ज्यादा पहचान 'जाने तू... या जाने ना' की चुलबुली 'अदिति' के किरदार से मिली। इसके अलावा 'रेडी', 'फोर्स', 'तेरे नाल लव हो गया' जैसी फिल्मों ने भी उनके करियर को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। साल 2012 में जेनेलिया ने अभिनेता रितेश देशमुख से शादी कर ली। शादी के बाद उन्होंने अपने परिवार और बच्चों को प्राथमिकता दी। उनके दो बेटे हुए और इसी दौरान उन्होंने फिल्मों से लगभग 10 साल का लंबा ब्रेक लिया। कई लोगों को लगा कि अब शायद जेनेलिया बड़े पर्दे पर कभी वापसी नहीं करेंगी। खुद जेनेलिया ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब उन्होंने दोबारा फिल्मों में लौटने की इच्छा जताई तो कई लोगों ने उन्हें हतोत्साहित किया। उनसे कहा गया कि अब यह फैसला सही नहीं होगा, क्योंकि दो बच्चों की मां बनने के बाद दर्शक उन्हें पहले की तरह स्वीकार नहीं करेंगे लेकिन जेनेलिया ने इन बातों पर ध्यान नहीं दिया। इस मुश्किल दौर में उनके पति रितेश देशमुख उनके सबसे बड़े साथी बने। उन्होंने जेनेलिया को पूरा समर्थन दिया और अपने सपनों को फिर से जीने के लिए प्रेरित किया। फिर साल 2022 में मराठी फिल्म 'वेड' से उन्होंने वापसी की। इस फिल्म में जेनेलिया और रितेश एक बार फिर साथ नजर आए। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट साबित हुई और मराठी सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हो गई।

रूस से तेल खरीदने वाले भारत समेत 5 देशों पर अमेरिकी शिकंजा, 100 प्रतिशत टैरिफ वाले बिल को सीनेट की मंजूरी

एजेंसी

वॉशिंगटन : रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर अमेरिका ने दबाव बढ़ाने की तैयारी तेज कर दी है। अमेरिकी सीनेट ने लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 को 86-11 के भारी बहुमत से मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित कानून के तहत रूस से ऊर्जा खरीद जारी रखने वाले भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान से होने वाले अमेरिकी आयात पर 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने का रास्ता खुल सकता है। हालांकि, यह टैरिफ अभी लागू नहीं हुआ है और बिल को कानून बनने के लिए आगे की प्रक्रिया से गुजरना होगा। व अन्य मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत इस कानून के संभावित प्रभाव वाले प्रमुख देशों में शामिल है, क्योंकि 2022 के बाद से भारत रूसी

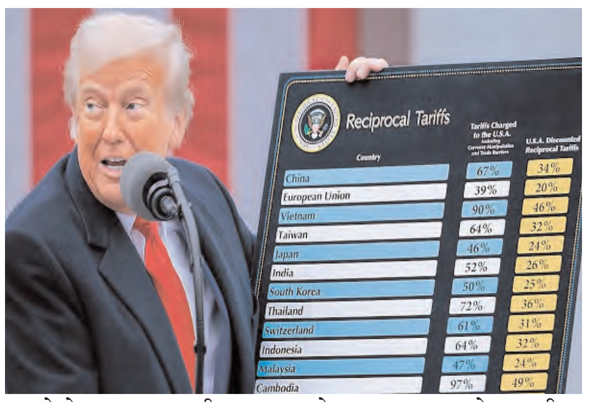

कच्चे तेल का बड़ा खरीदार बना हुआ है। हालांकि, सीनेट से बिल पास होने का मतलब यह नहीं है कि भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ तुरंत लागू हो गया है। बिल को अभी अमेरिकी प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) से मंजूरी और उसके बाद राष्ट्रपति के हस्ताक्षर की जरूरत होगी।

यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों द्वारा रूसी ऊर्जा पर प्रतिबंध लगाए जाने के बीच भारत ने रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदना बढ़ाया। इससे भारतीय रिफाइनरियों को अपेक्षाकृत कम कीमत पर कच्चा तेल मिला और देश की ऊर्जा आपूर्ति को संभालने में मदद मिली। लेकिन इसी वजह से भारत अब अमेरिकी प्रतिबंधों के संभावित दायरे में आ सकता है। प्रस्तावित कानून के तहत यदि राष्ट्रपति इसका इस्तेमाल करते हैं, तो रूस से ऊर्जा खरीदने वाले प्रमुख देशों से अमेरिका में आने वाले सामान पर 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त शुल्क लगाया जा सकता है। इसका सीधा असर भारतीय निर्यातकों पर पड़ सकता है। अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पाद महंगे होने से उनकी प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति कमजोर हो सकती है और भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों पर भी दबाव बढ़ सकता है। इस बिल को लेकर सबसे अहम बात यह है कि भारत पर अभी कोई नया 100 प्रतिशत टैरिफ लागू नहीं हुआ है। कानून बनने के लिए बिल को पहले हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स से पारित होना होगा। इसके बाद राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से यह कानून बनेगा। कानून बनने के बाद भी टैरिफ लगाना स्वतः अनिवार्य नहीं होगा, बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति के पास यह तय करने का अधिकार होगा कि इस प्रावधान का इस्तेमाल कब और किन देशों के खिलाफ किया जाए। बिल सिर्फ रूस से तेल खरीदने वाले देशों को निशाना नहीं बनाता। इसमें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, शीर्ष सैन्य अधिकारियों, कारोबारी समूहों, वित्तीय संस्थानों और ऊर्जा क्षेत्र पर नए प्रतिबंध लगाने का प्रावधान भी है।

रूसी तेल के परिवहन में इस्तेमाल होने वाले तथाकथित 'शैडो फ्लीट' के खिलाफ कार्रवाई को भी प्रस्तावित प्रतिबंधों का हिस्सा बनाया गया है। इसके अलावा, रूस के निर्यात पर 500प्रतिशत तक टैरिफ लगाने से जुड़े प्रावधान भी बिल में शामिल हैं। विधेयक में ईरान से जुड़े प्रतिबंधों को मजबूत करने के प्रावधान भी हैं। इसका उद्देश्य ईरान के ऊर्जा और अन्य रणनीतिक क्षेत्रों पर अमेरिकी आर्थिक दबाव बनाए रखना है।

बिल को रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों सांसदों का व्यापक समर्थन मिला। यह 86-11 के भारी बहुमत से पारित हुआ। हालांकि, कुछ सांसदों ने राष्ट्रपति को व्यापक टैरिफ अधिकार दिए जाने पर आपत्ति जताई। रैंड पॉल और डेमोक्रेटिक सीनेटर रॉन वाइडेन समेत आलोचकों का तर्क है कि राष्ट्रपति को इतने व्यापक अधिकार देने से टैरिफ का इस्तेमाल रूस पर दबाव बनाने के बजाय अन्य व्यापारिक विवादों में भी किया जा सकता है। टैरिफ संबंधी अधिकारों को सीमित करने वाला एक संशोधन भी सीनेट में 32-64 वोटों से खारिज हो गया। समर्थकों का कहना है कि रूस की ऊर्जा आय पर दबाव डालना यूक्रेन युद्ध के खिलाफ आर्थिक रणनीति का प्रभावी हिस्सा हो सकता है। उनका तर्क है कि रूस के प्रमुख ऊर्जा खरीदारों को विकल्प चुनने के लिए मजबूर करके मॉस्को की युद्ध क्षमता पर दबाव बढ़ाया जा सकता है।

सावन के दूसरे सोमवार और शिवरात्रि पर औरैया में भारी वाहनों का रूट डायवर्जन

एजेंसी

औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में सावन के दूसरे सोमवार 10 अगस्त और श्रावण मास शिवरात्रि 11 अगस्त को देवकली मंदिर समेत जिले के विभिन्न शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। औरैया पुलिस ने भारी वाहनों के लिए रूट डायवर्जन जारी किया है। डायवर्जन रविवार नौ अगस्त की शाम छह बजे से 11 अगस्त की रात तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान शहर में भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। पुलिस के अनुसार जालौन से विलराया-पनवाड़ी मार्ग होते हुए औरैया आने वाले भारी वाहनों को बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से भेजा जाएगा। कन्नौज और छिबरामऊ से एरवाकटरा आने वाले वाहनों को सौरिख कट से आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे की ओर डायवर्ट किया जाएगा। इटावा-ऊसराहार से एरवाकटरा की ओर आने वाले भारी वाहन उमरैन पुल के नीचे से आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड से भरथना होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे। इटावा-ऊसराहार से

लखनऊ व कानपुर जाने वाले भारी वाहनों को भी उमरैन पुल के नीचे से आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड और सौरिख कट के रास्ते भेजा जाएगा। कानपुर देहात से याकूबपुर-बेला होते हुए औरैया आने वाले भारी वाहनों को रसूलाबाद चौराहा से झींझक होते हुए एनएच-19 पर भेजा जाएगा। कंचौसी से औरैया आने वाले भारी वाहनों को भी झींझक होकर एनएच-19 से अपने गंतव्य की ओर जाना होगा। औरैया से जालौन जाने वाले भारी वाहनों को मंगलाकाली चौराहा (जालौन चौराहा) से एनएच-19 व बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की ओर डायवर्ट किया जाएगा। इस चौराहे से केवल मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों को आगे जाने की अनुमति होगी। देवकली चौराहा (खानपुर चौराहा) से मंदिर की ओर भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। यहां से केवल मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं के वाहन, ऑटो, ई-रिक्शा और पिकअप आदि को जाने की अनुमति दी जाएगी। बेला से दिबियापुर की ओर आने वाले भारी वाहनों को बेला तिराहा से रसूलाबाद होकर भेजा जाएगा। कानपुर की ओर से एनएच-19 पर आने वाले भारी वाहन देवकली चौराहा व जालौन चौराहे पर सर्विस लेन में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। दिबियापुर व बेला की ओर जाने वाले भारी वाहनों को मुरादगंज-फफूंद चौराहा और दिबियापुर होते हुए भेजा जाएगा। दिबियापुर से औरैया की ओर आने वाले भारी वाहनों को फफूंद चौराहा से मुरादगंज होते हुए एनएच-19 पर भेजा जाएगा।

मध्य प्रदेश में आज 3 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट, पन्ना-सतना-रीवा में 4 इंच तक बरसेंगे बादल

भोपाल : मध्य प्रदेश में मानसून की बेरुखी के बीच शनिवार को पन्ना, सतना और रीवा में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने इन तीनों जिलों में अगले 24 घंटे के दौरान 4 इंच तक बारिश का अनुमान जताया है। वहीं भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर समेत प्रदेश के 52 जिलों में हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने के आसार हैं। मौसम विभाग अनुसार, प्रदेश में अब तक औसतन 16.8 इंच (426.6 मिमी) बारिश दर्ज हुई है, जबकि इस अवधि में 21 इंच (533.6 मिमी) पानी गिरना चाहिए था। इस तरह प्रदेश में सामान्य से 4.2 इंच यानी 20 प्रतिशत कम बारिश हुई है। प्रदेश की सामान्य वार्षिक बारिश 37.3 इंच है और अब तक सीजन की बारिश निर्धारित कोटे की आधी भी नहीं हो सकी है। शुक्रवार को दतिया में बारिश का असर सबसे ज्यादा देखने को मिला। यहां सुबह महज 4 घंटे में करीब 1.57 इंच (40 मिमी) और 24 घंटे में कुल 3.5 इंच बारिश रिकॉर्ड हुई। भारी बारिश के कारण निचले इलाकों में जलभराव हो गया, जिसके बाद स्कूलों में छुट्टी घोषित करनी पड़ी। भांडेर और सेवढ़ा ब्लॉक में कक्षा

8वीं से ऊपर के स्कूलों के संचालन का निर्णय स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर संस्था प्रमुखों पर छोड़ा गया है। रायसेन में भी शुक्रवार सुबह करीब 15 मिनट तेज बारिश हुई, इसके बाद रुक-रुककर पानी गिरता रहा। इससे कई सड़कों पर जलभराव की स्थिति बन गई।

सोन नदी के पुल पर पानी, 40 गांवों का संपर्क प्रभावित

सीधी जिले के भंवरसेन घाट पर शुक्रवार सुबह हुई तेज बारिश के बाद सोन नदी के पुल पर पानी भर गया। सुरक्षा के मद्देनजर पुल को बंद करना पड़ा, जिससे करीब 40 गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क कट गया है। भंवरसेन पहाड़ी से मिट्टी और पत्थर खिसककर सड़क पर आने से हादसे का खतरा भी बना हुआ है। इसके अलावा खरगोन, सतना, उज्जैन, ग्वालियर, रीवा, सीधी और रायसेन समेत कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई।

पूर्वी मध्य प्रदेश में 23 प्रतिशत कम बारिश

प्रदेश के पूर्वी हिस्से के जबलपुर, शहडोल, रीवा और सागर संभाग में सामान्य से 23 प्रतिशत कम बारिश हुई है। अनूपपुर, बालाघाट, छतरपुर, छिंदवाड़ा, दमोह, डिंडौरी, जबलपुर, कटनी, मैहर, मंडला, मऊगंज, नरसिंहपुर, निवाड़ी, पांढुर्णा, पन्ना, रीवा, सागर, सतना, सिवनी, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़ और उमरिया में बारिश 5 प्रतिशत से 48 प्रतिशत तक कम है।

ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल हो सकते हैं बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान, मोदी से होगी अहम मुलाकात

एजेंसी

ढाका : नई दिल्ली में अगले महीने आयोजित हो रहे ब्रिक्स सम्मेलन में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान का शामिल होना तय माना जा रहा है। इस सिलसिले में आगामी दस अगस्त को ढाका में नियुक्त भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी और प्रधानमंत्री तारिक रहमान के बीच अहम बैठक होने वाली है। ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग से जुड़े एक विश्वस्त सूत्र ने बताया कि इस बैठक में अंतिम निर्णय के बाद आधिकारिक रूप से बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने की घोषणा की जाएगी। इस दौरान बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच होने वाली संभावित बैठक का समय भी निर्धारित किया जाएगा। इसके अलावा दोनों देशों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने, आर्थिक सहयोग सहित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। भारत के प्रधानमंत्री के साथ बातचीत के दौरान बांग्लादेश की ओर से किन-किन मुद्दों को उठाया जाएगा, इस पर आठ अगस्त को प्रधानमंत्री कार्यालय में होने वाली एक महत्वपूर्ण बैठक में निर्णय लिया जाएगा। बिम्सटेक के अध्यक्ष के रूप में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में शामिल होने के लिए बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को आमंत्रित किया है।

हिमाचल प्रदेश के चंबा में निजी बस पलटी, सात की मौत और 11 घायल

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में शनिवार सुबह एक निजी बस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई और 11 लोग घायल हो गए। हादसा चुराह विधानसभा क्षेत्र के तहत तीसा थाना क्षेत्र में बैरागढ़ के पास चालूंज मोड़ पर हुआ। घायलों में छह लोगों को आगे के इलाज के लिए पंडित जवाहरलाल नेहरू राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल चंबा रेफर किया गया है। हादसे में मारे गए लोगों की पहचान की जा रही है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, हादसा शनिवार सुबह करीब 7:15 बजे हुआ। शर्मा कोच की निजी बस बैरागढ़ से चंबा की ओर आ रही थी। इसी दौरान

चालूंज मोड़ के पास बस हादसे का शिकार हो गई। बस सड़क से पलटकर दूसरी सड़क पर जा पहुंची थी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके के लिए रवाना की गईं। चंबा के पुलिस अधीक्षक विजय सकलानी ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस बल को घटनास्थल के लिए भेजा गया। पुलिस टीम के मौके पर पहुंचने के बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार हादसे में 11 लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें छह घायलों को उनकी स्थिति को देखते हुए पंडित जवाहरलाल नेहरू राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, चंबा रेफर किया गया है। हादसे में जान गंवाने वाले सात लोगों की पहचान की जा रही है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), पुलिस, होमगार्ड, अग्निशमन विभाग और राजस्व विभाग के कर्मचारियों को घटनास्थल पर खोज और बचाव अभियान के लिए भेजा गया है। फिलहाल, टीम मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव का काम कर रही है। वहीं, पुलिस हादसे के कारणों की भी जांच कर रही है। चंबा में यह हादसा ऐसे समय हुआ है जब हिमाचल प्रदेश में मानसून की सक्रियता से जमकर बरसात हो रही है। राज्य के कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी है और मौसम विभाग ने 13 अगस्त तक प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। प्रशासन की ओर से खराब मौसम के बीच लोगों को अनावश्यक यात्रा नहीं करने और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी जा रही

नेपाल : सुनसरी हिंसा में 112 घर जलाए गए, 61 वाहन क्षतिग्रस्त

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल के सुनसरी जिले के देवानगंज नगरपालिका में दो समूहों के बीच हुई झड़प और उसके बाद पैदा हुए तनाव में बड़े पैमाने पर भौतिक क्षति हुई है। जिला पुलिस कार्यालय, सुनसरी द्वारा जुटाए गए प्रारंभिक विवरण के अनुसार हिंसा में 112 घरों और अन्य भौतिक संरचनाओं तथा 61 वाहनों को नुकसान पहुंचा है।

पुलिस के मुताबिक, यह विवाद 25 जुलाई की शाम बोलबम यात्रा पर निकल रहे हिन्दू कांवरिया पर मुसलमानों के समूह द्वारा किए गए हमले के बाद शुरू हुआ। देखते ही देखते विवाद दो

समूहों के बीच झड़प में बदल गया। इसके बाद कप्तानगंज सहित सुनसरी जिले के विभिन्न इलाकों में तोड़फोड़, आगजनी और हिंसक प्रदर्शन हुए। पुलिस के अनुसार, तोड़फोड़ और आगजनी से प्रभावित 112 घरों एवं अन्य संरचनाओं में 23 पक्के मकान पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। वहीं, 34 कच्चे मकानों में से 25 मकान आग लगने से पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए। इसके अलावा 50 घर, दो मंदिरों, पांच अन्य संरचनाओं और एक ईंट-भट्ठे को भी तोड़फोड़ और आगजनी से नुकसान पहुंचा है। हिंसा के दौरान 61 वाहनों को भी क्षति पहुंची है। इनमें 44 दोपहिया और पांच चारपहिया वाहन पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। पुलिस के अनुसार, घटना के बाद पैदा हुए तनाव के दौरान प्रदर्शनकारियों ने सुनसरी के विभिन्न स्थानों पर 52 मोटरसाइकिल और स्कूटर, आठ सिटी सफारी तथा चार चारपहिया वाहनों में आगजनी और तोड़फोड़ की। जिला पुलिस प्रमुख एसपी पुष्पराज मल्ल ने बताया कि हिंसा में हुई क्षति का विस्तृत विवरण जुटाने का काम अभी जारी है। क्षति से संबंधित शिकायतें प्राप्त करने और उपलब्ध विवरण का सत्यापन करने की प्रक्रिया चल रही है। इसलिए नुकसान का अंतिम आंकड़ा अभी बढ़ सकता है। कप्तानगंज के नया हटिया इलाके में 25 जुलाई की शाम हुई हिंसक घटना के दौरान गोली लगने से स्थानीय युवकों ओमप्रकाश मेहता, जयप्रकाश मेहता और रवीन्द्र मेहता की मौत हो गई थी। इस घटना में कुल 40 लोग घायल हुए थे। इनमें से 12 घायलों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है, जबकि 25 लोग उपचार के बाद अपने घर लौट चुके हैं। घटना की जांच के लिए गठित समिति का कार्यकाल भी बढ़ा दिया गया है। गृह मंत्रालय ने सहसचिव भूपेन्द्र थापा के नेतृत्व वाली जांच समिति का कार्यकाल गुरुवार को 15 दिन के लिए बढ़ा दिया। इससे पहले गृह मंत्रालय ने 26 जुलाई 2026 को समिति का गठन करते हुए उसे जांच के लिए एक सप्ताह का समय दिया था। समिति अब हिंसा के कारणों, घटनाक्रम, गोलीबारी, जान-माल की क्षति और उसके बाद पैदा हुए तनाव की परिस्थितियों की विस्तृत जांच करेगी। सरकार की ओर से समिति की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई किए जाने की उम्मीद है।

स्कूल जा रहे प्रधानाध्यापक को मारी गोली, हालत गंभीर

उत्तर दिनाजपुर : जिले के इस्लामपुर में शनिवार सुबह एक सनसनीखेज घटना ने पूरे इलाके को दहला दिया। स्कूल जा रहे एक प्रधान शिक्षक पर अज्ञात बदमाशों ने दिनदहाड़े ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस हमले में शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उनका इलाज जारी है। घायल शिक्षक का नाम नजरुल इस्लाम है, जो रामगंज के राजाभिम प्राथमिक विद्यालय के प्रधान शिक्षक हैं। सूत्रों के अनुसार, रोज की तरह शनिवार सुबह भी नजरुल इस्लाम अपने घर से स्कूल के लिए निकले थे। जब वे इस्लामपुर के मादारीपुर इलाके से गुजर रहे थे पहले से घात लगाए बैठे कुछ बदमाशों ने उनका रास्ता रोक लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बदमाशों ने बिना किसी चेतावनी के बहुत नजदीक से उन पर गोलियां चला दी। गोली लगते ही नजरुल इस्लाम सड़क पर गिर पड़े। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल शिक्षक को बचाने की कोशिश की और पुलिस को सूचना दी। खबर मिलते ही इस्लामपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल शिक्षक को पहले इस्लामपुर महकमा अस्पताल ले जाया गया। लेकिन हालत नाजुक होने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। फिलहाल वहीं उनका इलाज चल रहा है। इस हमले के पीछे का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस यह जांच कर रही है कि यह घटना किसी पुरानी दुश्मनी तो नहीं है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर आरोपितों की तलाश में जुटी हुई है।

लंबे समय से लापता अभिषेक बनर्जी के सहायक सुमित राय सीआईडी के सामने हुए पेश, जमीन भ्रष्टाचार मामले में पूछताछ

कोलकाता : लंबे समय से जांच एजेंसियों की पकड़ से बाहर चल रहे तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी के सहायक सुमित राय आखिरकार शनिवार को सीआईडी के सामने पेश हुए। जमीन भ्रष्टाचार मामले में सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम राहत मिलने के बाद सुमित शनिवार सुबह करीब दस बजे भवानी भवन स्थित सीआईडी कार्यालय पहुंचे। इसके बाद जांच अधिकारियों ने उनसे पूछताछ शुरू कर दी। सुमित राय के खिलाफ जमीन से जुड़े कथित भ्रष्टाचार को लेकर शालबनी थाने में मामला दर्ज किया गया था। इसी मामले की जांच के सिलसिले में पुलिस इससे पहले अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास तक पहुंची थी। पुलिस ने सुमित की तलाश में आधी रात को अभिषेक के घर का ताला तोड़कर तलाशी भी ली थी। हालांकि, उस समय सुमित का कोई पता नहीं चल पाया था। इसके बाद सुमित के खिलाफ अलग-अलग मामलों में कार्रवाई शुरू हुई। गिरफ्तारी से राहत पाने के लिए उन्होंने अदालत का रुख किया। नौकरी से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट ने उन्हें अंतरिम राहत दी थी। हालांकि, अदालत ने यह राहत जांच में सहयोग करने की शर्त पर दी थी। हाई कोर्ट ने निर्देश दिया था कि सुमित को 10 दिनों के भीतर जांच एजेंसी के सामने पेश होना होगा। वहीं, जमीन भ्रष्टाचार मामले में सुमित की अग्रिम जमानत याचिका अदालत ने खारिज कर दी थी। इसके बाद उन्होंने हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। शीर्ष अदालत ने मामले की अगली सुनवाई तक सुमित की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें जांच में सहयोग करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसी को सुमित से सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक पूछताछ करने की अनुमति दी है। शीर्ष अदालत से मिली इस राहत के बाद राज्य पुलिस की जांच शाखा ने शुक्रवार को सुमित के न्यू अलीपुर स्थित आवास पर जाकर उन्हें नोटिस दिया था। नोटिस में शनिवार सुबह 10 बजे तक भवानी भवन स्थित सीआईडी कार्यालय में पेश होने का निर्देश दिया गया था। सुमित ने इस निर्देश का पालन करते हुए शनिवार सुबह सीआईडी के सामने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। हालांकि, सुमित राय के खिलाफ अभी दो और मामले लंबित हैं। इन दोनों मामलों में गिरफ्तारी की आशंका जताते हुए उन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट से सुरक्षा की मांग की थी। उन्होंने मामले की जल्द सुनवाई की अपील भी की थी। लेकिन शुक्रवार को न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की पीठ ने तत्काल सुनवाई की मांग को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि मामले की सुनवाई सूची के अनुसार ही होगी। सुमित की तलाश इससे पहले विष्णुपुर थाने की पुलिस भी कर चुकी है। पुलिस एक बार उन्हें नोटिस देने के लिए उनके घर पहुंची थी। बाद में शालबनी और विष्णुपुर से जुड़े दोनों मामलों की जांच राज्य पुलिस की सीआईडी ने अपने हाथ में ले ली। जांच के सिलसिले में सीआईडी के अधिकारी भी सुमित के घर पहुंचे थे, लेकिन उस समय भी उनकी मुलाकात सुमित से नहीं हो सकी थी। अब सुमित के सीआईडी के सामने पेश होने के बाद जमीन भ्रष्टाचार मामले की जांच में आगे की कार्रवाई पर नजर रहेगी। पूछताछ के दौरान जांच अधिकारियों को उनसे क्या जानकारी मिलती है और उनके बयान के आधार पर सीआईडी आगे क्या कदम उठाती है, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा।

पुण्यतिथि पर रवीन्द्रनाथ ठाकुर को मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने विधानसभा में दी श्रद्धांजलि

शकोलकाता : विश्वविख्यात कवि, साहित्यकार और दार्शनिक गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर की पुण्यतिथि के अवसर पर पश्चिम बंगाल विधानसभा परिसर में उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया गया। 22 श्रावण के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने विधानसभा अध्यक्ष रथीन्द्र बोस के साथ गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर विधानसभा के प्रिंसिपल सेक्रेटरी सोमेंद्र दास भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान विधानसभा परिसर में गुरुदेव के साहित्य, उनके विचारों और बंगाली समाज तथा भारतीय संस्कृति पर उनके व्यापक प्रभाव को याद किया गया। मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष के साथ मिलकर कविगुरु को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया। इस मौके पर विधानसभा के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर की पुण्यतिथि है। गुरुदेव ने बांग्ला भाषा और साहित्य को विश्व पटल पर सम्मान दिलवाया है। उनकी दूर दृष्टि ने बांग्ला साहित्य और संस्कृति को हमेशा धनी किया है। 22 श्रावण बंगाली समाज के लिए भावनात्मक रूप से बेहद महत्वपूर्ण दिन है। इसी दिन गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर का निधन हुआ था। उनकी रचनाओं ने न केवल बंगाल, बल्कि पूरे भारत की सांस्कृतिक चेतना को गहराई से प्रभावित किया। गुरुदेव को भारतीय साहित्य के सबसे महान व्यक्तित्वों में गिना जाता है। वर्ष 1913 में उन्हें साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उनकी कृति ह्यगीतांजलिह्न ने भारतीय साहित्य को विश्व पटल पर विशेष पहचान दिलाई। विधानसभा परिसर में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में इसी व्यापक योगदान को याद करते हुए गुरुदेव के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और विधानसभा अध्यक्ष रथीन्द्र बोस ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उल्लेखनीय है कि 22 श्रावण के अवसर पर हर वर्ष बंगाल में रवीन्द्रनाथ ठाकुर को अलग-अलग कार्यक्रमों के माध्यम से याद किया जाता है।

कोरबा के तरदा गांव में घर के पास दिखा 4.5 फीट लंबा मगरमच्छ, सुरक्षित रेस्क्यू

कोरबा : कोरबा जिले में वन्यजीवों की आबादी वाले क्षेत्रों में दस्तक लगातार लोगों के लिए चिंता का कारण बन रही है। शनिवार सुबह कोरबा से करीब 16 किलोमीटर दूर तरदा गांव में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक ग्रामीण के घर के पास करीब साढ़े चार फीट लंबा मगरमच्छ दिखाई दिया। मगरमच्छ को देखते ही ग्रामीणों में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया। हालांकि वन विभाग और आरसीआरएस रेस्क्यू टीम की तत्परता से मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़ लिया गया और उसे जांजगीर-चांपा जिले के कोटमीसोनार स्थित मगरमच्छ संरक्षण आरक्षित क्षेत्र भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 6 बजे तरदा निवासी ग्रामीण थिरत राम मांझी ने अपने घर के पास एक जीव को देखा। शुरूआत में दूर से देखने पर उन्हें लगा कि वहां कोई अजगर हो सकता है। लेकिन जब उन्होंने ध्यान से देखा तो सामने करीब 4.5 फीट लंबा मगरमच्छ मौजूद था। घर के पास मगरमच्छ दिखाई देने की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद तत्काल वन विभाग को इसकी सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, वनमंडल कोरबा की टीम सक्रिय हो गई। वनमंडलाधिकारी प्रेमलता यादव के निर्देश और उपवनमंडलाधिकारी सूर्यकांत सोनी के मार्गदर्शन में वन विभाग की टीम के साथ आरसीआरएस रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। टीम ने सबसे पहले आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित किया, ताकि मगरमच्छ के कारण ग्रामीणों को किसी तरह का खतरा न हो। रेस्क्यू अभियान के दौरान करतला रेंजर अक्ष पलक ऋषि, परिसर रक्षक कपिल कंवर संडैल, परिसर रक्षक दीपक कुजूर महोरा, वनपाल के.पी. सिदार, सर्प मित्र जितेंद्र सारथी, आरसीआरएस अध्यक्ष अविनाश यादव सहित रेस्क्यू टीम के सदस्य मानस मौके पर मौजूद रहे। टीम ने काफी सतर्कता और सूझबूझ के साथ मगरमच्छ को नियंत्रित करने की कार्रवाई शुरू की। लंबे प्रयास के बाद मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़ लिया गया। मगरमच्छ के रेस्क्यू के बाद वन विभाग की टीम ने आवश्यक पंचनामा कार्रवाई पूरी की। इसके बाद उसे सुरक्षित वाहन से जांजगीर-चांपा वनमंडल के कोटमीसोनार स्थित मगरमच्छ संरक्षण आरक्षित क्षेत्र भेज दिया गया। इस दौरान वन विभाग और रेस्क्यू टीम ने ग्रामीणों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा। वन विभाग ने ग्रामीणों और आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी वन्यजीव के आबादी वाले क्षेत्र में दिखाई देने पर घबराएं नहीं और उसे पकड़ने, भगाने या उसके करीब जाने का प्रयास न करें। वन्यजीव की सूचना तत्काल वन विभाग को दें, ताकि प्रशिक्षित रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंचकर सुरक्षित तरीके से कार्रवाई कर सके। वन्यजीवों के संरक्षण और मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोकने के लिए नागरिकों की सतर्कता और सहयोग बेहद महत्वपूर्ण है।

न्यूज IN ब्रीफ

सिमडेगा के 89,474 लाभुकों के खाते में पहुंची मंईयां सम्मान योजना की जुलाई किस्त

सिमडेगा : मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत सिमडेगा जिले के लाभुकों के लिए बड़ी राहत की खबर है। जुलाई माह 2026 की सम्मान राशि लाभुकों के बैंक खातों में हस्तांतरित कर दी गई है। जिले के कुल 89,474 लाभुकों को प्रति लाभुक 2,500 रुपये की दर से कुल 22,36,85,000 रुपये की राशि आधार आधारित भुगतान प्रणाली के माध्यम से भेजी गई है।

योजना के तहत जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं नगर परिषद क्षेत्र के लाभुकों को जुलाई माह की सम्मान राशि का भुगतान किया गया है। प्रखंडवार लाभुकों की संख्या इस प्रकार है–

बानो प्रखंड में 12,412, बांसजोर में 3,995, बोलबा में 3,694, जलडेगा में 9,001, केरसई में 5,241, कोलेबिरा में 9,549, कुरडेग में 6,629, पाकरटांड़ में 6,122, सिमडेगा प्रखंड में 12,046 तथा ठेठईटांगर में 14,723 लाभुकों को राशि हस्तांतरित की गई है। वहीं नगर परिषद क्षेत्र के 6,062 लाभुकों को भी योजना की जुलाई माह की सम्मान राशि प्राप्त हुई है।

इस तरह जिले में कुल 89,474 लाभुकों के बैंक खातों में जुलाई 2026 की सम्मान राशि पहुंचाई गई है। राशि का भुगतान आधार आधारित भुगतान प्रणाली के माध्यम से सीधे लाभुकों के खातों में किया गया है। इस संबंध में जिला नियोजन पदाधिकारी-सह-सामाजिक सुरक्षा कोषांग पदाधिकारी आशा मैक्सिमा लकड़ा ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि योजना के तहत पात्र लाभुकों को निर्धारित सम्मान राशि का भुगतान किया गया है।

मोबाइल चोरी के बाद खाते से तीन लाख रुपये की ठगी मामला दर्ज

सहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के बड़ा पचगढ़ निवासी देवदास साह के मोबाइल की चोरी के बाद उनके बैंक खाते से करीब तीन लाख रुपये की ठगी कर ली गई। इस संबंध में पीड़ित ने जिरवाबाड़ी थाना में लिखित आवेदन देकर मामला दर्ज कराया है। देवदास साह ने बताया कि कुछ दिन पूर्व उनका मोबाइल चोरी हो गया था। किसी कारणवश उन्होंने तत्काल इसकी सूचना थाना में नहीं दी। इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति ने उनके चोरी हुए मोबाइल का दुरुपयोग करते हुए उनके खाते से करीब तीन लाख रुपये की निकासी,ऑनलाइन ठगी कर ली।मामले में जिरवाबाड़ी थाना में आईटी एक्ट एवं अन्य संबंधित धाराओं के तहत कांड संख्या 144/26 दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आवेदन के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है। ठगी करने वाले अज्ञात व्यक्ति की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है।

साइबर ठगों ने खाते से उड़ाया 33 हजार रुपये

साहिबगंज : मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के लालबथानी निवासी 54 वर्षीय तैमूर आजम के बैंक खाते से साइबर ठगों ने अवैध रूप से हजारों रुपये उड़ा लिया। थाना में दिए गए आवेदन में पीड़ित तैमूर ने बताया कि गलती से व्हाट्सएप पर भेजी गई एक संदिग्ध पीडीएफ फाइल खोलने के बाद साइबर अपराधियों ने उनके एक्सिस बैंक खाते से 33 हजार रुपये की अवैध निकासी कर ली। बताया कि पीडीएफ फाइल खोलने के कुछ ही देर बाद उन्हें बैंक अधिकारी बनकर एक व्यक्ति ने फोन किया। कॉल करने वाले ने बैंक खाता लॉक होने की बात कहकर उन्हें झांसे में लिया और खाते से संबंधित गोपनीय जानकारी हासिल कर ली। ठग के बताए अनुसार प्रक्रिया पूरी करने के बाद उनके एक्सिस बैंक खाते से दो चरणों में कुल 33 हजार रुपये की निकासी हो गई। इसमें पहली बार 28270 रुपये एवं दूसरी बार यूपीआई के माध्यम से 5000 रुपये की निकासी की गई। मोबाइल पर बैंक से निकासी का संदेश मिलने के बाद उन्हें साइबर ठगी का पता चला। उन्होंने तत्काल बैंक को इसकी सूचना देकर खाता लॉक कराया। थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडेय ने बताया कि साइबर सेल के सहयोग से मामले की जांच की जा रही है।

फरार आरोपियों की हो जल्द गिरफ्तारी चोरी की घटनाओं पर लगे विराम : एसडीपीओ

साहिबगंज : अनुमंडल भवन स्थित एसडीपीओ कार्यालय में शुक्रवार को मासिक अपराध नियंत्रण गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एसडीपीओ सुशील कुमार ने की। गोष्ठी में अनुमंडल क्षेत्र के सभी थाना प्रभारियों ने भाग लिया।बैठक के दौरान एसडीपीओ सुशील कुमार ने सभी थाना प्रभारियों को फरार चल रहे आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी से अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकता है। इसके लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाने और वारंटों का निष्पादन करने पर विशेष जोर दिया गया।शहर में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए एसडीपीओ ने सूचना तंत्र को और अधिक मजबूत बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व में चोरी के मामलों में संलिप्त रहे अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखी जाए तथा संदिग्ध व्यक्तियों का सत्यापन कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही रात्रि गश्ती बढ़ाने और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की सक्रियता बढ़ाने के निर्देश भी दिए।

बैठक में नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह, मुफस्सिल थाना प्रभारी अनीश पांडे सहित अनुमंडल क्षेत्र के अन्य थाना प्रभारी उपस्थित थे।

आदर्श हत्याकांड में दो आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ शाम को फिर भेजा गया जेल

साहिबगंज : बहुचर्चित आदर्श हत्याकांड के अनुसंधान में नगर थाना पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है इसी कड़ी में शुक्रवार को न्यायालय के आदेश पर हत्या मामले के दो आरोपी विभाग कुमार और नीरज कुमार को नगर थाना पुलिस ने रिमांड पर लिया दोनों आरोपियों से दिनभर मामले के विभिन्न पहलुओं पर गहन पूछताछ की गई पूछताछ पूरी होने के बाद शुक्रवार देर शाम दोनों को पुनः न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि आदर्श हत्याकांड के अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए न्यायालय से अनुमति लेकर दोनों आरोपियों को रिमांड पर लिया गया था। पूछताछ के दौरान हत्या से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जानकारी जुटाई गई है उन्होंने कहा कि अनुसंधान अभी जारी है और मामले से संबंधित सभी तथ्यों की गहनता से जांच की जा रही है ।थाना प्रभारी अमित गुप्ता ने बताया कि पुलिस वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर भी मामले की जांच आगे बढ़ा रही है पूछताछ में मिली जानकारियों का सत्यापन किया जा रहा है।

अवैध शराब की तस्करी, बियर जब्त

साहिबगंज/बरहरवा : आरपीएफ द्वारा प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर बरहरवा आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार नेतृत्व में एएसआई सुरेश पासवान, कांस्टेबल अनिल कुमार साह एवं कांस्टेबल रमेश यादव की टीम द्वारा बरहरवा रेलवे स्टेशन पर विशेष तलाशी अभियान चलाया गया।ट्रेन संख्या 13023 हावड़ाझगया एक्सप्रेस के बरहरवा स्टेशन पर आगमन के उपरांत,ट्रेन एस्कॉर्ट पार्टी एएसआई प्रसेनजीत दास साहिबगंज एवं कांस्टेबल प्रवीण कुमार राय के साथ बरहरवा से तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन के मध्य स्लीपर कोच एस-2 एवं एस-3 की संयुक्त रूप से जांच की गई।

दूसरी सोमवारी से पहले उपायुक्त ने श्रावणी मेला क्षेत्र का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

बिनय मिश्रा

देवघर, राजकीय श्रावणी मेला 2026 की दूसरी सोमवारी को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया ने संपूर्ण मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने कुमैठा से नंदन पहाड़ तक रूटलाइन का जायजा लेते हुए भीड़ को देखते हुए पूरे मार्ग में मैट बिछाने, विशेष सफाई अभियान चलाने तथा श्रद्धालुओं के लिए निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने स्वास्थ्य केंद्र, सूचना-सह-सहायता केंद्र, शुद्ध पेयजल, मोबाइल शौचालय, टोटो एम्बुलेंस, विद्युत नियंत्रण कक्ष, ओपी और मातृत्व विश्राम गृह को 24 घंटे सक्रिय रखने का निर्देश दिया। साथ ही मेला क्षेत्र में कचरा उठाव एवं उसके निष्पादन पर विशेष ध्यान देने को कहा।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने बाघमारा आईएसबीटी, टेंट सिटी और कोठिया टेंट सिटी का भी दौरा किया तथा देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं से बातचीत कर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। श्रद्धालुओं ने प्रशासन की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया।

उपायुक्त ने पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने, भीड़ नियंत्रण और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी दंडाधिकारियों, पुलिसकर्मियों और सुरक्षाकर्मियों को विनम्रता एवं सेवाभाव के साथ श्रद्धालुओं की सहायता करने का निर्देश दिया, ताकि बाबा बैद्यनाथ धाम आने वाले श्रद्धालु सुखद अनुभव के साथ लौटें।

निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, नगर आयुक्त सुलोचना मीना, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

झारखंड राज्य मिलेट मिशन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं डिजिटल क्रॉप विषय पर प्रशिक्षण आयोजित

संवाददाता

सिमडेगा : कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखंड सरकार के अंतर्गत कृषि एवं आत्मा विभाग सिमडेगा द्वारा जिला कृषि कार्यालय सभागार में पूर्वाहन 11:00 से झारखंड राज्य मिलेट मिशन योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, डिजिटल क्रॉप सर्वे योजना एवं कृषि मैपर विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सह समीक्षा बैठक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित जिला कृषि पदाधिकारी माधुरी टोप्पो द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान झारखण्ड राज्य मिलेट मिशन योजना के अंतर्गत प्रज्ञा केंद्र संचालको को किसानो का त्रुटिपूर्ण निबंधन करने हेतु दस्तावेजो का विशेष ध्यान रखने, डिजिटल क्रॉप सर्वे के माध्यम से फसलों के सही एवं समयबद्ध सर्वेक्षण, मोबाइल एप के प्रभावी उपयोग, किसानों के भू-अभिलेखों के सत्यापन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों का फसल बीमा का समयबद्ध निबंधन साथ ही साथ झारखंड राज्य मिलेट मिशन के योजना में अबतक की प्रगति की भी समीक्षा की गयी तथा जिन प्रखंड द्वारा अपेक्षित प्रगति नहीं है उन सभी प्रखंडो को विशेष ध्यान देते हुए अपेक्षित प्रगति लाने का निदेश दिया गया !

प्रशिक्षण में डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं कृषि मैपरों को फील्ड स्तर पर कार्य करते समय बरती जाने वाली सावधानियों, डेटा की शुद्धता बनाए रखने, निर्धारित समय सीमा के भीतर सर्वेक्षण कार्य पूर्ण करने तथा किसानों के साथ समन्वय स्थापित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही सभी प्रतिभागियों से पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया। प्रशिक्षण में फसल बीमा कंपनी के प्रतिनिधी के द्वारा किसानो के फसल बीमा से सम्बंधित ऑनलाइन प्रकिया एवं आवश्यक दस्तवेजो की जानकारी उपलब्ध कराया गया !कार्यक्रम में जिला सहकारिता पदाधिकारी सिमडेगा, उप परियोजना निदेशक आत्मा, कृषि विभाग के प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, सीएससी मैनेजर, फसल बीमा कंपनी के प्रतिनिधि, लैंपस कर्मी, प्रज्ञा केंद्र संचालक उपस्थित रहे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने वेयर हाउस का किया निरीक्षण

बिनय मिश्रा

आज जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया द्वारा कल्याणपुर स्थित वेयर हाउस का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया गया।

इसके अलावा जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था, वीवीपीएटी हॉल, बीयू हॉल के साथ आवश्यक विभिन्न पहलुओं से अवगत हुए। आगे उन्होंने ने सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं के अलावा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित सभी मापदण्डों के अनुपालन को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया। इसके अलावा उपायुक्त ने वेयर हाउस गेट पर लगाये गये सील, परिसर में प्रतिनियुक्त जवानों के साथ परिसर व कमरों में लगे सीसीटीवी कैमरे एवं अग्निशमन यंत्रों का अवलोकन करते हुए समय-समय पर फायरबॉक्स मशीनों की जाँच एवं साफ-सफाई करते रहने का निदेश संबंधित अधिकारियों को दिया।

इस दौरान उपरोक्त के अलावा सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि, उप-निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती सागरी बराल व पुलिस पदाधिकारी, संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

पहली तिमाही में राजस्व और मुनाफे में बढ़ोतरी

रांची : वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में राजस्व और मुनाफे में दोहरे अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बर्जर पेंट्स ने बताया कि कंसॉलिडेटेड राजस्व 12 प्रतिशत बढ़कर 3,583.8 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 28.6 प्रतिशत बढ़कर 405 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के अनुसार डेकोरेटिव और ऑटोमोटिव कारोबार ने इस वृद्धि में सबसे बड़ा योगदान दिया, जबकि वॉटरप्रूफिंग, कंस्ट्रक्शन केमिकल्स और वुड कोटिंग्स जैसे प्रमुख कारोबार में भी अच्छी बढ़त बनी रही। घरेलू मांग में सुधार के बीच आने वाली तिमाहियों में भी कारोबार की रफ्तार मजबूत रहने की उम्मीद जताई गई।

दीपिका पांडेय सिंह : संवेदनशील नेतृत्व का नया प्रतिमान, जेएसएलपीएस की नई मानव संसाधन नीति ने खोले विकास के नए द्वार

हृदयानंद मिश्र

किसी भी सरकार की सफलता केवल योजनाएँ बनाने में नहीं, बल्कि उन लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में होती है जो उन योजनाओं को धरातल पर उतारते हैं। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (खरछ्ढर) की नई मानव संसाधन नीति इसी सोच का सशक्त उदाहरण है। राज्य की ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की पहल पर वर्षों से लंबित इस नीति का लागू होना केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि हजारों कर्मियों के सम्मान, सुरक्षा और भविष्य को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक कदम है।

खरछ्ढर ने झारखंड के ग्रामीण जीवन में स्व-सहायता समूहों, महिला सशक्तिकरण, आजीविका संवर्धन और सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन की जो मिसाल कायम की है, उसके पीछे हजारों कर्मियों की निरंतर मेहनत रही है। विडंबना यह थी कि इन्हीं कर्मियों की सेवा-शर्तें और सुविधाएँ लंबे समय से अपेक्षित सुधार की प्रतीक्षा कर रही थीं। नई मानव संसाधन नीति ने इस कमी को दूर करने का प्रयास किया है।

करीब 1300 अतिरिक्त पदों के सृजन का निर्णय केवल रोजगार उपलब्ध कराने की पहल नहीं है, बल्कि यह राज्य के युवाओं के लिए नई संभावनाओं का द्वार भी खोलता है। इससे संस्था की कार्यक्षमता बढ़ेगी और ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं का क्रियान्वयन अधिक प्रभावी ढंग से हो सकेगा। ऐसे समय में जब रोजगार देश की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, यह निर्णय दूरदर्शी और स्वागतयोग्य कहा जाएगा।

नई नीति में छ-5 से छ-8 स्तर तक के कर्मियों के वेतन में उल्लेखनीय वृद्धि, लैपटॉप एवं संचार भत्ते में बढ़ोतरी, शिक्षा भत्ता तथा व्यावसायिक विकास भत्ता जैसी व्यवस्थाएँ यह दशार्ती हैं कि सरकार अब कर्मचारियों को केवल कार्यबल नहीं, बल्कि मानव संसाधन के रूप में देख रही है। किसी भी संस्थान की सफलता उसके प्रशिक्षित, संतुष्ट और सुरक्षित कर्मचारियों पर निर्भर करती है। यह नीति उसी सिद्धांत को व्यवहार में उतारती है।

स्वास्थ्य सुरक्षा और सामाजिक संरक्षण के क्षेत्र में भी यह नीति उल्लेखनीय है। मेडिक्लेम बीमा राशि को पाँच लाख से बढ़ाकर बीस लाख तथा दुर्घटना बीमा को बीस लाख से बढ़ाकर तीस लाख रुपये करना केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि कर्मचारियों और उनके परिवारों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता का प्रमाण है। ग्रेच्युटी, क्षेत्र भ्रमण भत्ते में वृद्धि तथा स्वास्थ्य व्यय प्रतिपूर्ति जैसी व्यवस्थाएँ कर्मचारियों के मनोबल को नई ऊर्जा प्रदान करेंगी।

दीपिका पांडेय सिंह का यह निर्णय इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्होंने विकास को केवल भवन, सड़क और योजनाओं तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन लोगों की गरिमा को भी केंद्र में रखा जो इन योजनाओं को गाँव-गाँव तक पहुँचाते हैं। एक जनप्रतिनिधि की सबसे बड़ी पहचान उसकी संवेदनशीलता और निर्णय क्षमता होती है, और यह पहल दोनों कसौटियों पर खरी उतरती है।

झारखंड के ग्रामीण विकास मॉडल को यदि भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर उदाहरण बनना है, तो ऐसी नीतियाँ उसकी मजबूत आधारशिला सिद्ध होंगी। खरछ्ढर के कर्मियों का मनोबल बढ़ेगा, कार्य की गुणवत्ता सुधरेगी और लाखों ग्रामीण परिवारों तक विकास की गति और अधिक प्रभावी ढंग से पहुँचेगी।

आज आवश्यकता केवल इस नीति के लागू होने का स्वागत करने की नहीं, बल्कि इसके प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने की भी है। यदि यह नीति अपने उद्देश्य के अनुरूप पूरी निष्ठा से लागू होती है, तो निश्चित रूप से झारखंड के ग्रामीण विकास के इतिहास में इसे एक मील का पत्थर माना जाएगा। दीपिका पांडेय सिंह ने यह संदेश दिया है कि विकास का वास्तविक अर्थ केवल योजनाओं की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि उन हाथों को मजबूत करना है जो विकास की इमारत खड़ी करते हैं। यही सोच किसी भी जनकल्याणकारी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी होती है, और यही इस निर्णय की सबसे बड़ी उपलब्धि भी है।